मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 295
शुक्रवार, 15 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

यूपी के 22 जिलों में कुदरत का रौद्र रूप, तूफान-बारिश से 111 की मौत

लखनऊ, 14 मई। उत्तर प्रदेश में भीषण मौसम का कहर जारी है, जहां आंधी, मलबा गिरने और बिजली गिरने जैसी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 111 हो गई है। राजस्व सचिव और राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि पिछले 24 से 36 घंटों में बिजली गिरने और आंधी से संबंधित घटनाओं की समीक्षा के लिए जिला अधिकारियों के साथ बैठक की गई। राहत आयुक्त के अनुसार, मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे दबने से 107 लोगों की मौत हो गई, जबकि बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हुई। इस आपदा में कुल 72 लोग घायल हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर पीड़ितों को राहत देने के आदेश दिये हैं। अधिकारियों ने 170 छोटे-बड़े जानवरों के मारे जाने की सूचना दी, जबकि 227 घरों को आंशिक या पूर्ण क्षति पहुंची। प्रशासन ने बताया कि नुकसान की जानकारी जिला अधिकारियों से प्राप्त हुई है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में भीषण मौसम के कारण नुकसान हुआ है।

जिला मजिस्ट्रेटों को युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत आयुक्त ने कहा कि सरकारी मानदंडों के अनुसार अनुग्रह राशि वितरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसकी निगरानी यहीं से की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तुरंत तेज करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1070 पर लगातार कॉल आ रहे हैं और तदनुसार कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान, सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

कोलकता, 14 मई। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 18 मई से वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। मीडिया से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि निजी विद्यालयों से भी इसे अपनाने का अनुरोध किया गया है और इस संबंध में औपचारिक सूचना आज बाद में जारी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार से सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा। निजी स्कूलों में भी इसे शामिल करने की अपील की गई है। इस संबंध में आज औपचारिक नोटिस जारी किया जाएगा।

एक अलग घटनाक्रम में, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथेंद्र बोस के नामांकन के

बारे में भी बात की और परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनाए रखने का आग्रह किया। बोस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस भूमिका में प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव दोनों लेकर आएंगे।

अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कभी विधायक, मंत्री या अध्यक्ष जैसे किसी पद के लिए आवेदन नहीं किया। पार्टी ने उनकी निष्ठा को पहचाना है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उनमें आवश्यक क्षमता है। हम उनके नेतृत्व के लिए सभी पक्षों से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष से संसदीय परंपरा का पालन करते हुए निर्विरोध स्पीकर चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। ??उन्होंने कहा, ₹पश्चिम बंगाल में स्पीकर का चुनाव पारंपरिक रूप से सर्वसम्मति से होता आया है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस परंपरा को जारी रखेगा।₹

उन्होंने बताया कि स्पीकर का चुनाव शुक्रवार को सुबह 11 बजे होगा। पार्टी सूत्रों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि रथेंद्र बोस ने हाल ही में हुए चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की।

बंगाल में कोयला खदान की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत, 15 घायल

कोलकता, 14 मई। पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को आसनसोल स्थित 'ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड' (ईसीएल) की एक कोयला खदान में 'एयर ब्लास्ट' के बाद भूमिगत खदान की दीवार का एक हिस्सा ढह जाने से एक मजदूर की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य घायल हो गए। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बज कर 30 मिनट पर ईसीएल के कुनुस्तोरिया क्षेत्र स्थित परासिया कोयला खदान में हुआ। घटना के समय कई खनिक अंदर काम कर रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खदान के सेक्शन-27 में 'एयर ब्लास्ट' हुआ, जिसके कारण कई मजदूर फंस गए और

घायल हो गए। खदान में एयर ब्लास्ट का मतलब भूमिगत खदान के भीतर हवा या गैस के दबाव के अचानक बाहर निकलने से पैदा होने वाला तेज बहाव है।

अधिकारी ने कहा, ₹विस्फोट के प्रभाव से खदान के अंदर काम कर रहे मजदूर अलग-अलग दिशाओं में जा गिरे। घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, घायलों को रानीगंज स्थित बांसरा अस्पताल और आसनसोल स्थित कल्ला अस्पताल सहित ईसीएल द्वारा संचालित अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं, देबायन मुंडा नामक एक श्रमिक को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल श्रमिकों में कई संविदा मजदूर हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद कई श्रमिक संगठनों ने सुरक्षा उपायों में चूक का आरोप लगाते हुए अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। ईसीएल के अधिकारियों ने अभी तक इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

भारत आए ईरानी विदेश मंत्री का बड़ा ऐलानः होर्मुज रास्ता सभी जहाजों के लिए खुला, अमेरिकी नाकेबंदी भी जल्द खत्म होगी

नई दिल्ली, 14 मई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच ईरान ने बड़ा बयान दिया है। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य सभी व्यावसायिक जहाजों के लिए खुला है, लेकिन वहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी नौसेना के साथ सहयोग करना होगा। नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले प्रेस टीवी को दिए इंटरव्यू में अराघची ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि असली बाधा ईरान नहीं बल्कि अमेरिका की गैरकानूनी नाकेबंदी है। अराघची ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य इस समय अमेरिकी आक्रामकता और उसके द्वारा लगाए गए अवैध प्रतिबंधों से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

उन्होंने आगे कहा, हमारे नजरिए से होर्मुज जलडमरूमध्य सभी व्यावसायिक जहाजों के लिए खुला है, लेकिन उन्हें हमारी नौसेना के साथ सहयोग करना होगा।ह्व अराघची ने दावा किया कि ईरान ने समुद्री यातायात में कोई रुकावट पैदा नहीं की है। उन्होंने कहा, हमने कोई अवरोध नहीं बनाया। यह अमेरिका है जिसने नाकेबंदी की स्थिति पैदा की है। हमें उम्मीद है कि यह अवैध अमेरिकी नाकेबंदी जल्द खत्म होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में गिना जाता है। यह ईरान और ओमान के बीच स्थित है और वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। दुनिया के कुल समुद्री तेल व्यापार का बड़ा प्रतिशत इसी जलमार्ग

से होकर जाता है। इसलिए यहां किसी भी तरह का तनाव सीधे वैश्विक तेल कीमतों और ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है।

ईरान लगातार आरोप लगा रहा है कि अमेरिका ने उसके बंदरगाहों और समुद्री गतिविधियों पर दबाव बनाकर क्षेत्र में अस्थिरता पैदा की है। अराघची ने कहा कि अमेरिका की नीतियों की वजह से ही समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर क्षेत्र में शांति बहाल होती है तो होर्मुज की स्थिति पहले से ज्यादा सुरक्षित और स्थिर हो सकती है। इससे पहले ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने भी कहा था कि क्षेत्र में शांति स्थापित होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा स्थिति बेहतर हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रहकर काम करेगा और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। साथ ही उन्होंने अमेरिका पर गंभीर कूटनीति में शामिल न होने का आरोप लगाया। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण खाड़ी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं। हाल के दिनों में तेल टैंकरों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों को लेकर कई सुरक्षा अलर्ट जारी हुए हैं। ऐसे में होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है। यदि इस क्षेत्र में तनाव और बढ़ता है तो इसका सीधा असर तेल की कीमतों, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक व्यापार पर पड़ सकता है।

रूस का यूक्रेन पर महाआक्रमणः 800 ड्रोन हमलों से मचाई तबाही, कई लोगों की मौत

रूस, 14 मई। रूस ने बुधवार को यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम देते हुए करीब 20 क्षेत्रों पर 800 से अधिक ड्रोन दाग दिए। राजधानी कीव, पश्चिमी शहर लीव और काला सागर के बंदरगाह शहर ओडेसा समेत कई इलाकों में घंटों तक धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत कई लोग घायल हुए हैं। कई इमारतों और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे चार

साल से जारी युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि रूस का मकसद यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणाली पर दबाव बनाना और उसे कमजोर करना है। जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि ड्रोन हमलों के बाद रूस क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल हमले भी कर सकता है।हमलों का असर पड़ोसी देशों में भी दिखाई दिया। सीमा के पास ड्रोन गतिविधियों के बाद हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार ने रूसी राजदूत को तलब करने की घोषणा करते हुए मॉस्को की कार्रवाई की निंदा की। कीव में कई ड्रोन मार गिराए गए, लेकिन उनका मलबा खुले इलाकों में गिरा। पश्चिमी रिवने क्षेत्र में तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। लगातार बढ़ते हमलों के बीच जेलेंस्की ने कहा कि अगर दुनिया रूस की कार्रवाई पर चुप रही तो मॉस्को और अधिक आक्रामक हो सकता है।

जो अब तक नहीं हुआ है वह होकर रहेगा...राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को सीधी चेतावनी

नई दिल्ली, 14 मई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने एक बार फिर भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत की, तो ऐसा कुछ होगा जो पहले कभी नहीं हुआ। जयपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन के वीडियो के साथ एक्स पर

पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंदूर को एक साल पूरा हो गया है। जब पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया, तो पूरा देश आक्रोशित हो गया। इसके बाद, भारत ने निर्णायक जवाब दिया और दुश्मन को चौंका दिया। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब चुप रहने वाला देश नहीं है; हमलों का जवाब दुश्मन के घर में घुसकर दिया जाएगा, और कोई सीमा हमें रोक नहीं सकती। भारत के आतंकवाद-विरोधी दृढ़ रुख पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि देश ने शुरू से ही आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

-ललित गर्ग

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्लफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्न कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

पेपर लीक से हर साल छात्रों के साथ देश को हो रहा नुकसान

अशोक भाटिया

पेपर लीक के कारण मेडिकल डिग्री प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा रद्द होने के बाद ईमानदार छात्रों के मन में निराशा, गुस्सा, हताशा, हताशा, हताशा और हताशा महसूस की गई। माता-पिता ने इस अवसर पर निजी ट्यूशन कक्षाओं के लिए फीस का भुगतान किया। 3 मई को, NEET देने के बाद, छात्रों ने एक गहरी सांस ली और भविष्य के बारे में सपने देखने लगे, यात्राओं की योजना बनाने लगे। 10 दिन से भी कम समय के बाद, परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग कंडक्टिंग एजेंसी (NTA) का कहना है कि परीक्षा रद्द कर दी गई क्योंकि परीक्षा से पहले अधिकांश प्रश्न टूट गए थे। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी लोगों की अब फिर से जांच की जाएगी।

डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा NEET भी 'लीकतंत्र' का शिकार हो गई। 22 लाख 79 हजार छात्रों ने दिन-रात मेहनत करके परीक्षा दी। परीक्षा खत्म होने के बाद जो मानसिक दबाव कम हुआ था, वो फिर से बढ़ गया है। लीकतंत्र ने उनकी मेहनत, उनका समय और उनके सपनों पर चोट पहुंचाई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी बड़ी परीक्षा को लीकतंत्र ने अपना शिकार बनाया हो। पिछले 11 सालों में 100 से अधिक बार केंद्रीय और भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं की भेंट चढ़ चुकी हैं।

इस बार जिस NEET परीक्षा का पेपर लीक हुआ है, उसकी जांच केंद्र सरकार ने CBI को सौंप दी है। उइक की जांच में आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं और यह भी साफ होगा कि इस पूरे खेल में कौन-कौन शामिल था।

लेकिन उससे पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर यह 'लीकतंत्र' काम कैसे करता है। कैसे लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही बाजार में पहुंच जाता है? कैसे एक संगठित नेटवर्क मेहनत पर पैसे को भारी बना देता है? जैसा कि हमने आपको बताया, लोकतंत्र की तरह 'लीकतंत्र' भी चार अलग-अलग स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है। पहला स्तंभ वह एजेंसी है, जो ठएएळ जैसी परीक्षाएं आयोजित करवाती है।

दूसरा स्तंभ खुफिया तंत्र है, जिसकी जिम्मेदारी संभावित लीक या संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाना होती है। लीकतंत्र का तीसरा स्तंभ पेपर माफिया हैं, जो किसी भी तरह परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल करने की कोशिश करते हैं।

लीकतंत्र का चौथा स्तंभ वे खरीदार हैं, जो लाखों रुपये में पेपर खरीदकर ईमानदार छात्रों के हक पर डाका डाल देते हैं। हम आपको लीकतंत्र के इन चारों स्तम्भों के बारे में एक-एक कर विस्तार से बताएंगे। लेकिन उससे पहले हम आपको बताते हैं कि इस बार लीकतंत्र ने किस तरह सिस्टम को हैक करके ईमानदार बच्चों के सपनों में सेंधमारी कर दी।

परीक्षा से करीब 42 घंटे पहले ही क्वेश्चन पेपर के कुछ सवाल 'लीकतंत्र' के हाथ लग चुके थे।लीकतंत्र ने लीक हुए सवालों में कुछ अन्य प्रश्न जोड़कर एक पूरा क्वेश्चन बैंक तैयार किया। छात्रों तक जो क्वेश्चन बैंक पहुंचाया गया, उसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल शामिल थे।इनमें से करीब 150 सवाल हूबहू NEET UG 2026 के प्रश्नपत्र में पूछे गए।यानि 720 अंकों की परीक्षा में लगभग 600 नंबर के सवाल पहले से ही लीकतंत्र के बनाए क्वेश्चन बैंक में मौजूद थे।

गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती। इसीलिए जब जांच पड़ताल हुई तो एक-एक कर इसके खुलासे होने लगे। पता चला कि सबसे पहले महाराष्ट्र में पेपर लीक हुआ था। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र के नासिक से गुरुग्राम तक एक डॉक्टर के पास पेपर पहुंचा। गुरुग्राम से जयपुर और जयपुर से सीकर और झुंझुनूं पेपर भेजा गया। वहीं से बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, केरल तक पहुंचा।

व्हाट्सऐप पर 'प्राइवेट माफिया' नाम से एक ग्रुप भी बनाया गया था। इस ग्रुप में करीब 400 सदस्य जुड़े हुए थे। आरोप है कि इस ग्रुप का इस्तेमाल विशेष रूप से लीक किए गए 'गेस पेपर' और सवालों को सकुर्लेट करने के लिए किया गया। टेलीग्राम पर भी एक चैनल बनाया गया था, जिसमें ठएएळ का असली पेपर होने का दावा किया जा रहा था। 1 मई से ही व्हाट्सऐप और टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र की PDF फाइलें तेजी से शेयर की जा रही थीं। जांच एजेंसियों ने व्हाट्सऐप चैट और टेलीग्राम रिकॉर्ड्स को अहम सबूत के तौर पर जुटाया है। इन डिजिटल रिकॉर्ड्स से यह पता चला है कि पेपर लीक का नेटवर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए कितनी तेजी से फैलाया गया।

एक तरफ जांच एजेंसियां सबूत इकट्ठा कर रही हैं, तो दूसरी तरफ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों पर शिकंजा भी कसना शुरू हो गया है। राजस्थान के अलग-अलग शहरों से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जयपुर में मनीष नाम के शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने का शक है।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 'मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय, देश के भविष्य के साथ अन्याय होता है'। और ये अन्याय देश के करीब 23 लाख छात्रों के साथ हुआ है। और ये कोई पहली बार नहीं हुआ है। 2024 में भी NEET परीक्षा पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों से घिर गई थी। बिहार और झारखंड में मामले की जांच हुई, जिसमें पेपर लीक के सबूत मिले थे और कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं। हालांकि उस समय तो सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था। लेकिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा कराई गई थी। इसके अलावा 2018, 2021 और 2022 में भी ठएएळ परीक्षा में अनियमितताओं और गड़बड़ियों के आरोप लगे थे। इन मामलों की जांच अब तक उइक कर रही है।

और यह समस्या सिर्फ NEET तक सीमित नहीं रही। जब मेडिकल कॉलेजों में दाखिला ठएएळ के जरिए नहीं होता था, तब भी पेपर लीक का खेल जारी था। 2011 में देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स की एंट्रेंस परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। जांच हुई लेकिन कार्रवाई के नाम पर रस्म अदायगी हुई थी। एक बार फिर वही हुआ है। प्रश्नपत्र फिर लीक हुआ है। लेकिन इस बार मामला पहले से कहीं ज्यादा बड़ा है, क्योंकि पहली बार पूरी NEET परीक्षा ही रद्द कर दी गई है। देशभर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। कहीं विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, तो कहीं छात्र और अभिभावक अपनी मेहनत बर्बाद होने पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। हम आपको सुनाते हैं सड़क पर उतरे छात्र क्या कह रहे हैं।

अब पुनः परीक्षा की घोषणा करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा और फिर पुनः परीक्षा की घोषणा होने से पहले कुछ और दिन लगेंगे, और तब तक छात्रों को फिर से तैयारी करनी होगी। कोई भी इस बारे में 100 प्रतिशत निश्चित नहीं है। एनटीए की विफलता बहुत परेशान करने वाली है।

एनटीए की स्थापना मूल रूप से नई तकनीक का उपयोग करके व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए एक स्वतंत्र, स्वायत्त, पेशेवर निकाय की स्थापना, पारदर्शिता और प्रवेश परीक्षाओं के सरलीकरण के उद्देश्य से की गई थी। नीट के मामले में इनमें से कोई भी होता नहीं दिख रहा है। दो साल पहले पेपर लीक होने के बाद नियुक्त राधाकृष्णन समिति के पेपर लीक होने से पारदर्शिता बिगड़ने और कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं का आयोजन होने के बावजूद नीट अभी भी पेपर-पेन सिस्टम में किया जा रहा है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करने के लिए कई परीक्षा सत्र आयोजित करने होंगे, प्रत्येक सत्र के लिए प्रश्नों का अलग-अलग सेट तैयार करना होगा। एनटीए ने पिछले साल (2025) कंप्यूटर आधारित परीक्षा को इस आधार पर स्थगित कर दिया था कि प्रत्येक सेमेस्टर में उपस्थित होने वाले छात्रों के अलग-अलग प्रश्न होंगे और अंकों को बराबर करना होगा। उस समय समिति की रिपोर्ट और परीक्षा की तारीख के बीच कम समय होने के कारण तैयारी के लिए समय नहीं था, इसलिए उस समय कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित नहीं करने का निर्णय कुछ समय के लिए स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन फिर इस साल नीट आयोजित करने में क्या समस्या थी? क्या आपको लगता है कि एनटीए पूरा एक साल मिलने के बाद भी तैयारी नहीं कर पाया है? न तो एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह और न ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

एक ही समय में सभी छात्रों के लिए पेपर-पेन परीक्षा आयोजित करना आसान नहीं है, जिसके लिए कक्षाओं को प्रदान करने से लेकर प्रश्न पत्र प्रतियां हासिल करने तक एक विशाल प्रणाली की आवश्यकता होती है। हालाँकि NTA ने प्रश्न पत्रों को डिजिटल प्रारूप में संरक्षित करने की व्यवस्था की है जिसे केवल कोड द्वारा खोला जा सकता है, लेकिन लीक होने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि प्रश्न पत्रों को कम से कम सात दिन पहले प्रिंट करना पड़ता है। 2024 में, मुद्रित प्रश्न पत्रों के केवल कुछ हिस्सों की तस्वीरें खींची गई थीं, जिन्हें कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सीधी परीक्षा से कुछ मिनट पहले केंद्रों पर ऑनलाइन भेजा जा सकता है, जिससे लीकेज का खतरा कम हो जाता है।

दिल्ली दरबार पर भारी पड़ा जमीनी नेता, केरल में सतीशन क्यों बने कांग्रेस का चेहरा

-अजय कुमार

केरल की राजनीति में इस बार सिर्फ सरकार नहीं बदली, कांग्रेस की अंदरूनी ताकत का नक्शा भी बदल गया। दस वर्षों बाद सत्ता में लौटी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने जब वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री चुना तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति को कुर्सी सौंपने का नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला कदम बन गया। चुनाव नतीजे आने के बाद लगभग दस दिनों तक दिल्ली से तिरुवनंतपुरम तक जिस तरह की खींचतान चली, उसने साफ कर दिया था कि यह लड़ाई सिर्फ मुख्यमंत्री पद की नहीं, बल्कि कांग्रेस में ह्यदिल्ली मॉडल बनाम जमीनी मॉडलह्ण की थी। आखिरकार पार्टी ने संगठन महासचिव और राहुल गांधी के सबसे करीबी नेताओं में गिने जाने वाले केसी वेणुगोपाल के बजाय उस नेता पर भरोसा जताया, जिसने पांच वर्षों तक विपक्ष में रहकर कांग्रेस को दोबारा खड़ा किया। 2026 के विधानसभा चुनाव में 140 सदस्यीय विधानसभा में यूडीएफ ने 102 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। कांग्रेस ने अकेले 63 सीटें हासिल कीं, जबकि उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने 22 सीटें जीतीं। एलडीएफ गठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। 2021 में कांग्रेस नीत यूडीएफ को सिर्फ 41 सीटें मिली थीं और एलडीएफ 99 सीटों के साथ सत्ता में लौटा था। यानी पांच वर्षों में कांग्रेस ने 22 सीटों की सीधी बढ़त दर्ज की, जबकि वाम मोर्चा 64 सीटें खो बैठा। यही आंकड़े बताते हैं कि यह जीत किसी सामान्य सत्ता विरोधी लहर का परिणाम नहीं थी, बल्कि विपक्ष के नेता के रूप में वीडी सतीशन की बनाई राजनीतिक रणनीति का असर थी।

दरअसल, 2021 की हार कांग्रेस के लिए केवल चुनावी पराजय नहीं थी, बल्कि संगठनात्मक संकट भी थी। पार्टी के भीतर वर्षों से चल रही ए ग्रुप और आई ग्रुप की राजनीति ने कार्यकर्ताओं को थका दिया था। ओमन चांडी और के. करुणाकरण के दौर से चली आ रही गुटबाजी ने कांग्रेस को जनता से दूर कर दिया था। ऐसे समय में राहुल गांधी ने रमेश चेन्निथला की जगह वीडी सतीशन को विपक्ष का नेता बनाया। उस समय यह फैसला जोखिम भरा माना गया, क्योंकि सतीशन के पास न दिल्ली की लॉबी थी और न ही संगठन पर वैसी पकड़, जैसी केसी वेणुगोपाल के पास मानी जाती थी। लेकिन पांच साल बाद वही फैसला कांग्रेस के पुनर्जीवन की सबसे बड़ी वजह बन गया। सतीशन ने विपक्ष का नेता बनने के बाद सबसे पहले कांग्रेस की चुनावी राजनीति की शैली बदली। उन्होंने साफ कहा कि टिकट वितरण में गुटीय वफादारी नहीं, बल्कि जीतने की क्षमता देखी जाएगी। इसका असर स्थानीय निकाय चुनावों में दिखाई दिया। दिसंबर 2025 में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ ने 941 पंचायतों में से 505 पर जीत हासिल की। 87 नगरपालिकाओं में से 54 यूडीएफ के खाते में गईं। 14 जिला पंचायतों में से 7 पर कब्जा हुआ, जबकि 6 में से 4 नगर निगमों में कांग्रेस गठबंधन को सफलता मिली। इन नतीजों ने पहली बार यह संकेत दिया कि एलडीएफ की पकड़ कमजोर हो रही है और कांग्रेस सत्ता में वापसी कर सकती है।

सतीशन की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनकी डेटा आधारित राजनीति रही। विधानसभा में उन्होंने सिर्फ राजनीतिक आरोप नहीं लगाए, बल्कि सरकारी आंकड़ों के जरिए पिनाराई विजयन सरकार को घेरा। केरल में बेरोजगारी दर, राज्य का बढ़ता कर्ज, सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दों को उन्होंने लगातार उठाया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, 2025 में केरल की शहरी बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत के करीब पहुंच गई थी, जबकि युवाओं में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत से अधिक था। पिछले पांच वर्षों में लगभग 18 लाख युवा रोजगार और शिक्षा के लिए राज्य से बाहर गए। सतीशन ने इन आंकड़ों को लगातार राजनीतिक मुद्दा बनाया और कांग्रेस को भविष्य की अर्थव्यवस्था की भाषा बोलने वाली पार्टी के रूप में पेश किया। केरल की सामाजिक संरचना को समझे बिना इस फैसले को समझना मुश्किल है। राज्य की राजनीति में नायर, ईसाई और मुस्लिम समुदाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल दोनों नायर समुदाय से आते हैं, जिसकी आबादी राज्य में लगभग 14 से 15 प्रतिशत मानी जाती है। लेकिन फर्क यह रहा कि सतीशन लगातार नायर बहुल परवूर सीट से पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। 2001, 2006, 2011, 2016 और 2021 में उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। इससे उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। दूसरी ओर, वेणुगोपाल लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहे और राज्य की सक्रिय राजनीति से उनकी दूरी बढ़ती गई।

कांग्रेस के लिए सबसे अहम बात यह थी कि सतीशन को अल्पसंख्यक समुदायों का भी व्यापक समर्थन हासिल था। केरल की लगभग 26 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और करीब 18 प्रतिशत ईसाई है। यूडीएफ की सबसे बड़ी सहयोगी आईयूएमएल शुरू से सतीशन के पक्ष में थी। मुस्लिम लीग को यह आशंका थी कि अगर दिल्ली से कोई नेता मुख्यमंत्री बनकर आता है तो गठबंधन के भीतर संतुलन बिगड़ सकता है। चर्च समूहों के बीच भी सतीशन की छवि एक ऐसे नेता की रही, जो वैचारिक रूप से उदार हैं लेकिन धार्मिक तुष्टिकरण की खुली राजनीति नहीं करते। यही वजह रही कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें सर्वस्वीकार्य चेहरा माना। केसी वेणुगोपाल की दावेदारी के सामने सबसे बड़ा संकट उनकी राजनीतिक स्थिति थी। वे लोकसभा सांसद हैं और पार्टी महासचिव भी। अगर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता तो पहले संसद सदस्यता छोड़नी पड़ती। इसके बाद किसी विधायक की सीट खाली कराकर उन्हें छह महीने के भीतर विधानसभा पहुंचाना पड़ता। यानी एक लोकसभा और एक विधानसभा उपचुनाव का अतिरिक्त जोखिम पैदा होता। कांग्रेस पहले ही जानती थी कि सत्ता में आने के बाद शुरूआती महीनों में किसी भी तरह की राजनीतिक अस्थिरता का संदेश नुकसानदेह साबित हो सकता है। यही कारण है कि अंतिम समय में हाईकमान ने कम जोखिम वाले विकल्प पर भरोसा जताया।

इस फैसले का राष्ट्रीय राजनीतिक संदेश भी बड़ा है। कांग्रेस लंबे समय से इस आलोचना का सामना करती रही है कि पार्टी में फैसले सिर्फ दिल्ली दरबार के आधार पर होते हैं। लेकिन केरल में पार्टी ने पहली बार साफ संकेत दिया कि अब चुनाव जिताने वाले क्षेत्रीय नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सतीशन की ताजपोशी कांग्रेस के भीतर पीढ़ीगत बदलाव का भी प्रतीक मानी जा रही है। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल प्रमुख चेहरों केसी वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला और वीडी सतीशन में सतीशन को अपेक्षाकृत युवा और नई पीढ़ी के नेता के तौर पर देखा गया। उनका पूरा राजनीतिक अभियान ह्वनई कांग्रेसह्न की अवधारणा पर आधारित था। भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकना भी इस फैसले के पीछे एक बड़ा कारण रहा। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने केरल में हिंदू वोटों, खासकर नायर समुदाय के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश की। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत 16 प्रतिशत के करीब पहुंच गया था। कांग्रेस समझती थी कि उसे ऐसा चेहरा चाहिए, जो हिंदू समाज में स्वीकार्य हो लेकिन अल्पसंख्यकों के बीच भी भरोसेमंद बना रहे। सतीशन इस राजनीतिक संतुलन में फिट बैठते हैं। उनकी छवि आक्रामक सांप्रदायिक राजनीति से दूर लेकिन सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई मानी जाती है। अब सबसे बड़ी चुनौती वादों को जमीन पर उतारने की होगी। केरल इस समय लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। राज्य में निजी निवेश की रफ्तार धीमी है और युवाओं का पलायन लगातार बढ़ रहा है। सतीशन ने चुनाव के दौरान ग्लोबल जॉब नेटवर्क, शिक्षा सुधार और स्टार्टअप अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का वादा किया था। अगर वे इन मोर्चों पर ठोस परिणाम देते हैं तो कांग्रेस सिर्फ केरल में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक नया राजनीतिक मॉडल पेश कर सकती है। वीडी सतीशन की जीत ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब केवल हाईकमान आधारित राजनीति के भरोसे नहीं चलना चाहती। केरल में पार्टी ने पहली बार यह स्वीकार किया है कि जनता और कार्यकताओं के बीच स्वीकार्यता रखने वाला नेता ही सबसे बड़ा राजनीतिक निवेश होता है। यही कारण है कि इस बार दिल्ली की ताकत पर जमीन की हकीकत भारी पड़ गई।

अंकों की अंधी दौड़ और खोता बचपन

-प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा से सम्मान और प्रगति का माध्यम माना गया है। शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की समझ, सामाजिक चेतना और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करती है। किंतु समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया और आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा का अर्थ केवल अधिक अंक लाना और प्रतियोगिता में आगे निकलना भर रह गया है। बच्चों का मूल्यांकन उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, रचनात्मकता या संवेदनशीलता से नहीं, बल्कि उनकी मार्कशीट के प्रतिशत से किया जाने लगा है। परिणामस्वरूप बचपन दबाव, तनाव और अपेक्षाओं के बोझ तले कराह रहा है।

आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा कक्षा में प्रथम आए, सर्वोच्च अंक प्राप्त करे और समाज में प्रतिष्ठित पद हासिल करे। यह इच्छा स्वाभाविक है, क्योंकि हर अभिभावक अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है। समस्या तब शुरू होती है जब यह इच्छा अपेक्षा बन जाती है और अपेक्षा धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है। बच्चे की रुचि क्या है, उसकी क्षमता क्या है, उसे किस क्षेत्र में आनंद मिलता है—इन प्रश्नों पर कम ध्यान दिया जाता है। मुख्य चिंता केवल अंक और रैंक की रह जाती है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने बच्चों के जीवन को अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया है। स्कूल की पढ़ाई के अतिरिक्त कोचिंग, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लास और असाइनमेंट ने बच्चों के दिन का अधिकांश समय घेर लिया है। पहले बच्चे शाम को मैदानों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, दोस्तों के साथ हँसते-भागते थे, लेकिन आज उनका बचपन पुस्तकों और स्क्रीन के बीच कैद होकर रह गया है। खेल का मैदान अब मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गया है और खुलकर हँसने की जगह परिणामों की चिंता ने ले ली है।

हर वर्ष परीक्षा परिणाम आने के बाद समाज का व्यवहार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक प्रभावित करता है। जिन बच्चों के अंक अधिक आते हैं, उन्हें समाज ह्लहोनहारह्व घोषित कर देता है, जबकि अपेक्षाकृत कम अंक पाने वाले बच्चे स्वयं को कमतर समझने लगते हैं। यह तुलना बच्चों के भीतर आत्महीनता पैदा करती है। कई बच्चे तनाव, अवसाद और भय से घिर जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कुछ बच्चे परीक्षा में असफलता के कारण आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता का संकेत है।

आज बच्चों पर सबसे अधिक प्रभाव ह्लतुलनाह्व का पड़ रहा है। ह्लदेखो, शर्मा जी का बेटा कितना पढ़ता हैह्व, ह्लउसके 98 प्रतिशत आए हैं, तुम्हारे क्यों नहीं?ह्व—ऐसे वाक्य बच्चों के मन पर गहरी चोट करते हैं। तुलना कभी प्रेरणा नहीं बनती, बल्कि आत्मविश्वास को कमजोर करती है। हर बच्चा अपनी क्षमता, सोच और प्रतिभा में अलग होता है। कोई संगीत में उत्कृष्ट हो सकता है, कोई खेल में, कोई चित्रकला में और कोई लेखन में। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच केवल डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का पर्याय मानती है।

यह भी एक बड़ा प्रश्न है कि क्या केवल अधिक अंक प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी है? इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अनेक महान व्यक्तियों ने साधारण शैक्षिक उपलब्धियों के बावजूद असाधारण कार्य किए। सफलता केवल पुस्तकीय ज्ञान से नहीं आती, बल्कि साहस, धैर्य, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और मेहनत से आती है। यदि शिक्षा मनुष्य को अच्छा इंसान नहीं बना पा रही, तो वह अधूरी है। आज के बच्चे तकनीकी रूप से बहुत तेज हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से अकेले होते जा रहे हैं। माता-पिता दोनों के कामकाजी होने, संयुक्त परिवारों के टूटने और मोबाइल संस्कृति के बढ़ने से बच्चों को संवाद और भावनात्मक सहयोग कम मिल रहा है। वे अपनी परेशानियाँ किसी से खुलकर कह नहीं पाते। ऐसे में परीक्षा और भविष्य का दबाव उन्हें भीतर से तोड़ देता है। शिक्षा का वातावरण आनंददायक होने के बजाय भय का वातावरण बनता जा रहा है। कोचिंग संस्थानों की बढ़ती संस्कृति ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। बड़े-बड़े विज्ञापनों में टॉपर्स के चेहरे दिखाकर बच्चों और अभिभावकों के मन में यह धारणा बना दी जाती है कि सफलता केवल कठिन प्रतिस्पर्धा और लगातार पढ़ाई से ही मिलेगी। बच्चों को मशीन की तरह तैयार किया जा रहा है। उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। शिक्षा अब सीखने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंकों की फैक्ट्री बनती जा रही है।

सबसे दुखद स्थिति तब होती है जब बच्चे स्वयं को अपने माता-पिता के सपनों का बोझ समझने लगते हैं। वे डरते हैं कि यदि उनके अंक कम आए, तो वे परिवार को निराश कर देंगे। यह डर उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बनाता है। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को यह महसूस करा देते हैं कि उनका प्यार भी अंकों पर निर्भर है। जबकि बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता बिना शर्त स्वीकार्यता और भावनात्मक सुरक्षा की होती है। हमें यह समझना होगा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए—मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आत्मविश्वास का विकास। यदि कोई बच्चा दूसरों की मदद करना सीखता है, अपने माता-पिता का सम्मान करता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, तो वही सच्ची शिक्षा है। बच्चों को अपनी रुचियों के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। यदि किसी बच्चे को संगीत पसंद है, तो उसे संगीत में आगे बढ़ने दिया जाए। यदि किसी को खेल, अभिनय, लेखन, कला या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि है, तो उसका सम्मान किया जाए। हर प्रतिभा महत्वपूर्ण है। समाज को यह समझना होगा कि दुनिया केवल डॉक्टर और इंजीनियरों से नहीं चलती, बल्कि कलाकारों, शिक्षकों, किसानों, लेखकों, वैज्ञानिकों, संगीतकारों और खिलाड़ियों से भी समृद्ध होती है।

अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी यहाँ सबसे अधिक है। बच्चों को डाँटने और डराने के बजाय उन्हें समझना और प्रेरित करना आवश्यक है। यदि बच्चा असफल होता है, तो उसे यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। कई बार जीवन की सबसे बड़ी सफलताएँ असफलताओं से ही जन्म लेती हैं। विद्यालयों को भी परीक्षा-केंद्रित शिक्षा से बाहर निकलकर व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को केवल रटने के बजाय सोचने और समझने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चों के भीतर जिज्ञासा और आनंद जगाए, न कि भय और तनाव। सरकार और समाज को भी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। माता-पिता को भी समय-समय पर यह समझाने की आवश्यकता है कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालना कितना हानिकारक हो सकता है।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी का वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन

मुंबई। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही और वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। यह प्रदर्शन मुख्य व्यवसायों में स्टडी एक्सक्यूशन, बेहतर ऑपरेशंस, डिसिप्लाइंड कपस्ट मैनेजमेंट और डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल ग्रोथ ऑपर्च्यूनिटीज पर केंद्रित मजबूत बिजनेस डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी के कारण संभव हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान, कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत करके, ग्लोबल लीडरशिप क्षमता का विस्तार करके, इंटरनेशनल कोलाब्रेशन बढ़ाकर और एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंच बढ़ाकर, ग्रोथ के अगले स्तर पर ले जाने के लिए कदम उठाए है । श्री यासुयुकी इकेडा को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में पुनः नामित करना और श्री कंचेरला उमा महेश्वर राव को इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करना, ग्लोबल बिजनेस डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी-लेड एक्सपेंशन और मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी के अधिक केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ता है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस अवधि के दौरान कुल आय 231 करोड़ रही, जिसमें पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 34.97% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। परिचालन लाभ के मोर्चे पर, एबिटडा 26.0% की बढ़त के साथ ?36 करोड़ रहा, जबकि एबिटडा मार्जिन 15.4% दर्ज किया गया। कंपनी की लाभप्रदता में भी मजबूत सुधार देखा गया है; टैक्स से पहले का लाभ 28.37% बढ़कर ?28 करोड़ हो गया। वहीं, शुद्ध लाभ यानी प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (ढअळ) ?21 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26.33% अधिक है, और इस दौरान पैट मार्जिन 9.0% दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2026 के वार्षिक वित्तीय परिणामों में कंपनी ने मजबूत वृद्धि दर्ज की है। इस पूरे वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय 793 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 26.7% की शानदार बढ़त दशार्ती है। परिचालन लाभ के स्तर पर, एबिटडा 15.22% की वृद्धि के साथ 138 करोड़ तक पहुँच गया, जिसमें एबिटडा मार्जिन 17.4% रहा। कंपनी की लाभप्रदता में भी निरंतर सुधार जारी रहा, जहाँ टैक्स से पहले का लाभ 18.88% बढ़कर 111 करोड़ हो गया। वहीं, शुद्ध लाभ यानी प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 83 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20.61% अधिक है, और इस दौरान पैट मार्जिन 10.4% दर्ज किया गया। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नागेश्वर राव कंदुला ने कहा, स्टैण्डर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के लिए वित्त वर्ष 2026 एक खास वर्ष रहा है। हमने अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया और अब तक का सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया, साथ ही विस्तार के अगले चरण के लिए इंस्टोट्यूशनल फाउंडेशन को भी मजबूत किया। पिछले एक वर्ष में, हम एक फोकस्ड इक्विपमेंट मैनुफैक्चरिंग बिजनेस से विकसित होकर एक अधिक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म बन गए हैं, जिसमें डिजाइन, प्रिसिशन फेब्रिकेशन, टर्नकी प्रोजेक्ट्स का एक्सक्यूशन, कमीशनिंग, वेलिडेशनऔर लाइफसाइकल मेंटनेस जैसी क्षमताएं शामिल हैं। साथ ही, हमने अपने व्यवसाय विकास तंत्र को मजबूत किया है, अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोग ढांचे का विस्तार किया है और वैश्विक नेतृत्व और स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञता को शामिल करके बोर्ड स्तर पर अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाया है।

आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया एक्टिव युवा, युवा भारत के लिए वेलनेस-फर्स्ट हेल्थ इंश्योरेंस प्लान

मुंबई/पटना। आदित्य बिड़ला कैपिटल की हेल्थ इंश्योरेंस शाखा आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एबीएचआईसीएल) ने आज एक्टिव युवा लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक स्वास्थ्य केंद्रित बीमा योजना है, जिसे युवा भारतीयों की बदलती जीवनशैली और वेलनेस जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस प्लान के साथ एक व्यापक वेलनेस प्रोग्राम भी शुरू किया गया है, जो एबीएचआईसीएल के हेल्थरिटर्न्सट्रु प्रस्ताव पर आधारित है और लोगों को पोषण, फिटनेस और रिकवरी जैसी रोजमर्रा की स्वस्थ आदतों के लिए पुरस्कृत करता है। एबीएचआईसीएल अपने हेल्थरिटर्न्स मॉडल के जरिए हेल्थ इंश्योरेंस को हेल्थ एश्योरेंस के रूप में नए सिरे से परिभाषित कर रही है। यह मॉडल रोज 10,000 या उससे ज्यादा कदम चलने या एक ही व्यायाम सत्र में 300 कैलोरी जलाने जैसी गतिविधियों के लिए स्वस्थ जीवनशैली को पुरस्कृत करता है। जो ग्राहक लगातार सक्रिय रहते हैं और जिनका हेल्दी हार्ट स्कोर अच्छा है, वे अपने सालाना प्रीमियम का 100% तक वापस पा सकते हैं। नया एक्टिव युवा प्लान इस प्रस्ताव को तीन स्तंभों पर आधारित एक व्यवहार से जुड़े पुरस्कार कार्यक्रम के साथ और मजबूत बनाता है। ये तीन स्तंभ हैं: ईट, मूव और हील, जो न्यूनतम एक्टिव डेजट्रु की शर्त पूरी करने वाले ग्राहकों को शारीरिक गतिविधि से परे भी उनकी समग्र स्वस्थ आदतों के लिए पुरस्कृत करते हैं। एक्टिव युवा के लॉन्च पर अपनी राय रखते हुए आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री मयंक बाथवाल ने कहा, हेल्थ इंश्योरेंस को बदलती उपभोक्ता जीवनशैली और वेलनेस आदतों के साथ विकसित होना होगा।

फुलवारीशरीफ स्थित MAC Super-30 का भव्य उद्घाटन मंत्री संतोष कुमार सुमन द्वारा संपन्न

फुलवारीशरीफ। फुलवारीशरीफ में स्थित शिक्षण संस्थान MAC Super-30 का भव्य उद्घाटन Santosh Kumar Suman के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री श्री सुमन ने संस्थान के निदेशक सचिन सर एवं डायरेक्टर शोभा मैम के शैक्षणिक प्रयासों तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि श्यामसुंदर सारण की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके प्रेरणादायक विचारों एवं सहयोग की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के संस्थापक सदस्य रविशंकर सर, फिजिक्स गुरु सुमित शेखर, अतुल सर एम तथा कुमार मिथिलेश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह में रविशंकर सर एवं अल्का मैम ने माननीय मंत्री जी को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संस्थान परिवार ने बताया कि MAC Super-30 का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी उपलब्ध कराना है।

पीएम मोदी की अपील का असर, बाइक से विधान भवन पहुंचे सीएम फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को एमएलसी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए मोटरसाइकिल पर विधानसभा पहुंचे, जो पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच ईंधन की खपत कम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का एक प्रतीकात्मक समर्थन था। फडणवीस अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' से दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन तक बाइक से गए, उनके पीछे भाजपा नेता और मंत्री आशीष शेलार बैठे थे। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्थिति को देखते हुए हम सभी से सावधानी बरतने को कहा है, और तदनुसार, हमें पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के प्रयास करने होंगे। हमने अपने काफिलों का आकार कम कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आज मैं बाइक से यहां आया हूं। हम देश की बचत के तरीके ढूंढ रहे हैं। अब हम बड़े कार्यक्रम आयोजित नहीं करेंगे। जहां भी हम विदेशी मुद्रा बचा सकते हैं, हम अपने स्तर पर ऐसा करने के लिए पूरा प्रयास करेंगे।

बुधवार को फडणवीस ने खर्च कम करने के कई उपायों की घोषणा की, जिनमें कैबिनेट मंत्रियों के काफिले में वाहनों की संख्या आधी करना और मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के विदेश दौरे रद्द करना शामिल है। उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे सरकारी विमानों का उपयोग केवल अत्यावश्यक आधिकारिक कार्यों के लिए ही करें, और ऐसे अनुरोधों के लिए भी उनकी व्यक्तिगत स्वीकृति आवश्यक होगी। यह कदम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सरकारों और नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान को देखते हुए उपाय अपनाने के आग्रह के बाद उठाया गया है।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में भारी ट्रैफिक के कारण पुल ढहा, मॉनसून से ठीक पहले आदिवासी बस्तियों का टूटा संपर्क

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में सुधागढ़ तालुका के अमानोली गांव की ओर जाने वाला एक जरूरी यात्री पुल अचानक गिर गया। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। बताया गया है कि यह पुल भारी वाहनों खास तौर पर उन वाहनों के कारण गिरा, जो कि पुल की वजन उठाने की क्षमता से ज्यादा माल ढो रहे थे। गांव वाले इस घटना पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, कई गांवों का संपर्क टूट जाने से लोगों कों को अब एक बड़े संकट का सामना करना पड़ रहा है।इस पुल को जंभुलपाड़ा रास्ते से अमानोली, दहीगांव, कोलतारे और आस-पास की आदिवासी बस्तियों तक पहुंचने के लिए एक बेहद अहम कड़ी माना जाता था। संकरा होने और वजन उठाने की सीमित क्षमता होने के बावजूद, यह पुल स्थानीय निवासियों के रोजाना के आवागमन का एकमात्र जरिया था। हालांकि गांव वालों ने आरोप लगाया है कि कुछ उद्योगपति और कारोबारी लगातार इस पुल का इस्तेमाल डंपर और हाइवा जैसे भारी वाहनों को लाने-ले जाने के लिए कर रहे थे। खबर है कि स्थानीय लोगों ने इस मुद्दे को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायतें की थीं। फिर भी भारी वाहनों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के जारी रही और आखिरकार पुल इतना ज्यादा वजन न सह पाने के कारण ढह गया। नाराज गांव वाले कह रहे हैं कि अगर प्रशासन ने समय पर कार्रवाई की होती, तो हमें इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

केडीएमसी पैनल क्रमांक 15 के संतोष नगर में नाली और कचरा सफाई का कार्य पूरा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। केडीएमसी पैनल क्रमांक 15 के अंतर्गत संतोष नगर क्षेत्र में सोसायटी के सामने स्थित नाली और आसपास जमा कचरे की सफाई का कार्य नगरसेवक महेश दशरथ गायकवाड़ के माध्यम से पूर्ण कराया गया। स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से नाली जाम और कचरे के ढेर की शिकायत थी, जिसके कारण गंदगी और दुर्गंध से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत मिलते ही नगरसेवक महेश गायकवाड़ ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सफाई कार्य करवाया।

इस दौरान समाज सेविका वैशाली ठाकुर भी उपस्थित रहीं। उन्होंने क्षेत्र की स्वच्छता बनाए रखने और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए इस पहल की सराहना की। स्थानीय रहवासियों ने सफाई कार्य पूरा होने पर संतोष व्यक्त करते हुए नगरसेवक महेश गायकवाड़ और संबंधित प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

साई माऊली कंस्ट्रक्शन के सरगना चॉल माफिया मनोज धुमाल और सचिन सुर्वे गिरफ्तार

मानपाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सस्ते घरों का लालच देकर जरूरतमंद नागरिकों से करोड़ों रुपये ठगने वाले दो चॉल माफियाओं को मानपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मनोज धुमाल और सचिन सुर्वे हैं।

जानकारी के अनुसार, खोणी-धामटन गांव में सस्ते दामों पर घर देने का झांसा देकर साई माऊली बिल्डर ने 64 लोगों से करीब 93 लाख 80 हजार रुपये की ठगी की। पैसे लेने के बाद बिल्डर फरार हो गया और उसके कार्यालय पर ताला लटका मिला। ठगी का शिकार हुए लोगों ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस जांच में सामने आया कि जान्हवी प्रॉपर्टी नाम से इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर 1BHK फ्लैट 5 लाख रुपये और 2BHK फ्लैट 7 लाख रुपये में देने का दावा किया गया था। इसी विज्ञापन से प्रभावित होकर कई लोगों ने पैसे जमा किए।

डोंबिवली निवासी गृहिणी आचल गुप्ता ने भी इंस्टाग्राम पर यह विज्ञापन देखकर साई माऊली बिल्डर से संपर्क किया। उन्हें बताया गया कि खोणी-काटई मार्ग के पास धामटन गांव में मकान बन रहे हैं और वहीं फ्लैट दिए जाएंगे। आचल गुप्ता ने घर बुक किया और बिल्डर के कार्यालय में कदम नामक व्यक्ति को जीपे और नकद मिलाकर 2 लाख 85 हजार रुपये दिए।

11 अप्रैल को जब आचल गुप्ता घर की चाबी लेने पहुंचीं, तब कार्यालय पर ताला लगा मिला। वहां पहुंचने पर पता चला कि कई अन्य लोगों के साथ भी इसी प्रकार की ठगी हुई है।

इससे उन्हें बड़ा झटका लगा और उन्होंने तुरंत मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

आचल गुप्ता सहित 64 पीड़ितों की शिकायत के आधार पर मानपाड़ा पुलिस ने सचिन संभाजी सुर्वे, निखिल कडलक, रविंद्र यादव, कदम और वाघमारे समेत कुल 5 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। पुलिस ने मुख्य आरोपियों मनोज धुमाल और सचिन सुर्वे को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। बिगत 20 अप्रैल 2026 से 12 मई 2026 तक तीनों मंडलों में चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 34 मामले दर्ज किए गए, जिनमें एमडी, गांजा, कोकीन, हेरोइन, ब्राउन शुगर और अन्य नशीले पदार्थ जब्त किए गए। पुलिस ने लगभग 1.40 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए हैं। अभियान के तहत कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 5 आरोपियों को नोटिस जारी किए गए और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा 3 विदेशी नागरिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। मंडल 1 में सबसे बड़ी कार्रवाई सामने आई, जहां 9 मामलों में 1.10 करोड़ से अधिक के मादक पदार्थ जब्त किए गए। मंडल 2 में 15 मामलों में ?24.17 लाख तथा मंडल 3 में 10 मामलों में 5.66 लाख के ड्रग्स बरामद किए गए। नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ भी पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 422 मामलों में 422 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। सभी आरोपियों को इटरर की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किए गए। इसके साथ ही पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत कुल 232 मामलों में इटरर की धारा 126, 129, 57, 111 और PIT NDPS कानून के तहत कार्रवाई की। मादक पदार्थ विरोधी सेल ने 8 मामलों में ?40.19 लाख मूल्य के ड्रग्स जब्त कर 12 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि अपराध प्रकटीकरण शाखा (यूनिट 1, 2 और 3) ने 10 मामलों में ?9.32 लाख मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह विशेष अभियान आयुक्त निकेत कौशिक, दत्तात्रय शिंदे तथा विभिन्न मंडलों के पुलिस उपायुक्तों राहुल चव्हाण, संदिप डोईफोडे, सुहास बावचे और पोर्णिमा चौघुले के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक चलाया गया।

बकरीद को लेकर भिवंडी मनपा कुबार्नी केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न, सौपी गयी जिम्मेदारियां

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा ने 27 मई से शुरू होने वाले बकरीद पर्व को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। त्योहार के दौरान सफाई, पानी, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। मनपा आयुक्त ने अब तक तीन समीक्षा बैठकें लेकर कुबार्नी केंद्रों की व्यवस्था, पानी के टैंकर, अपशिष्ट निपटान, पशु चिकित्सकों की नियुक्ति और बकरा बाजार की तैयारियों की समीक्षा की। प्रशासन ने नागरिकों से केवल अधिकृत कुबार्नी केंद्रों पर ही कुबार्नी करने की अपील की है। बकरीद के दौरान सफाई व्यवस्था के लिए 35 पानी के टैंकर, 200 टेंपो-डंपर, 17 जेसीबी, 3 क्रेन और पशु चिकित्सकीय अधिकारियों के लिए 13 वाहन तैनात किए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग को अपशिष्ट उठाने और दवा छिड़काव के निर्देश दिए गए हैं। मनपा प्रशासन ने कहा है कि कुबार्नी केंद्रों की सूची जल्द जारी की जाएगी तथा पशु चिकित्सकीय जांच के बाद ही कुबार्नी की अनुमति दी जाएगी। साथ ही सभी नागरिकों से उच्च न्यायालय के दिशा-निदेर्शों और कानून व्यवस्था का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की गई है।

CoinDCX द्वारा मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस के लिए क्रिप्टो जांच प्रशिक्षण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज, CoinDCX ने मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के लिए एक और गहन क्रिप्टो जांच और वर्चुअल डिजिटल एसेट जागरूकता कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की है। यह पहल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ CoinDCX के निरंतर सहयोग का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे VDA इकोसिस्टम के बारे में जागरूकता बढ़ाना और ज्ञान की कमी को दूर करना है। निरंतर क्षमता-निर्माण पहलों के माध्यम से, CoinDC का लक्ष्य अधिकारियों को उस तकनीकी समझ और जांच कौशल से लैस करना है, जो तेजी से बढ़ते जटिल साइबर-वित्तीय खतरों से निपटने के लिए आवश्यक हैं।

मीरा-भायंदर और वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अधिकारियों के लिए आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से 'क्रिप्टो-आधारित' वित्तीय अपराधों की कार्यप्रणाली और आधुनिक साइबर धोखाधड़ी के जटिल स्वरूपों पर गहन चर्चा की गई। इस सत्र के दौरान डिजिटल संपत्तियों के ब्लॉकचेन पर संचालन और उनकी जांच के विभिन्न प्रकारों को समझने पर विशेष बल दिया गया, ताकि तकनीक-आधारित वित्तीय परिदृश्य में जांच की प्रक्रिया को और अधिक तीव्र व प्रभावी बनाया जा सके। इसके साथ ही, जांचकताओं और क्रिप्टो एक्सचेंजों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सरल बनाने के लिए एक मजबूत सहयोगात्मक ढांचे पर भी विचार साझा किए गए। CoinDC के लिए यह पहल केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के संपूर्ण वित्तीय इकोसिस्टम की सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करने की दिशा में उनकी एक व्यापक और निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियां नागरिकों की सुरक्षा करने और डिजिटल वित्तीय इकोसिस्टम में उभरते खतरों से निपटने में सबसे आगे हैं," CoinDCX के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने कहा। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की समर्पित टीम के साथ काम करना हमारे लिए सम्मान की बात थी। जैसे-जैसे यह इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, उद्योग और प्रवर्तन एजेंसियों के बीच निरंतर सहयोग और ज्ञान का आदान-प्रदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यह सत्र हमारे उस बड़े और निरंतर प्रयास का हिस्सा है, जो भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और सुदृढ़ बनाने के लिए समर्पित है। प्रशिक्षण का नेतृत्व CoinDCX के प्रमुख जांच, अनुपालन और कानूनी विशेषज्ञों द्वारा किया गया। टीम ने परिचालन संबंधी अंतर्दृष्टि और वास्तविक दुनिया के जांच के अनुभवों को साझा किया।

गोदरेज ने फोर्कलिफ्ट के लिए पेश की भारत की पहली मल्टी आयन बैटरी टेक्नोलॉजी, स्वच्छ और कुशल आपूर्ति श्रृंखला मिलेगा बढ़ावा

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने अपने मटीरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट व्यवसाय के जरिए इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट के लिए भारत की पहली मल्टी आयन बैटरी टेक्नोलॉजी पेश की। समूह का यह एमएचई व्यवसाय भारत के मटीरियल हैंडलिंग खंड में बाजार की अग्रणी इकाइयों में से एक है। इस लॉन्च से भारत के विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग खंड की तेजी से बढ़ती जरूरतें पूरी होंगी। यह कुशल, भरोसेमंद और टिकाऊ ऊर्जा समाधान प्रदान करता है, जिससे कुल स्वामित्व लागत टोटल कॉस्ट ऑफ ओनरशिप 25% तक कम हो जाती है, उपकरणों के काम करने अवधि बढ़ जाती है, और औद्योगिक परिचालन स्वच्छ हो जाता है। इस बैटरी को फोर्कलिफ्ट की पूरी परिचालन अवधि तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत के औद्योगिक और वेयरहाउसिंग बाजार में लगातार मजबूती नजर आ रही है। 2026 की पहली तिमाही में शीर्ष आठ शहरों में 11 मिलियन (1.1 करोड़) वर्ग फुट से अधिक की लीजिंग हुई। इसमें साल-दर-साल के आधार पर दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज हुई। यह वृद्धि 3पीएल, ई-कॉमर्स और विनिर्माण आधारित आपूर्ति श्रृंखला के आधुनिकीकरण से उत्पन्न मांग के कारण हुई है। गौरतलब है कि वेयरहाउस अधिक सघन होते जा रहे हैं और कार्य निष्पादन क्षमता (थ्रूपुट) बढ़ती जा रही है, ऐसे में ऊर्जा-कुशल, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार मटीरियल हैंडलिंग समाधानों की जरूरत उत्पादकता और प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण हो गई है।

मल्टी आयन बैटरी को तेजी से और जहां भी मौका मिले वहां चार्ज किया जा सकता है, इसमें रख-रखाव का बहुत ध्यान नहीं रखना होता है और यह बेहद ऊर्जा दक्ष है। साथ ही, इससे विभिन्न रेयर अर्थ एलिमेंट पर निर्भरता दूर होती है और बैटरी के निपटान से जुड़ी चुनौतियां कम होती है। भारत के अग्रणी 'डीप टेक' बैटरी नवोन्मेषकों में से एक के सहयोग से विकसित, यह टेक्नोलॉजी 5,000 लाइफ साइकिल तक प्रदान करती है, जो मानक लिथियम आयन बैटरी के मुकाबले लगभग 60% अधिक है। इस तरह यह उपकरणों के पूरे जीवनकाल तक चलने वाली उपयुक्त बैटरी है। 45त सेंटीग्रेड से अधिक तक के तापमान में भी भरोसेमंद ढंग से काम करने के लिए तैयार, मल्टी आयन बैटरी भारत की उष्णकटिबंधीय जलवायु वाली परिस्थितियों के लिए बिलकुल उपयुक्त है।

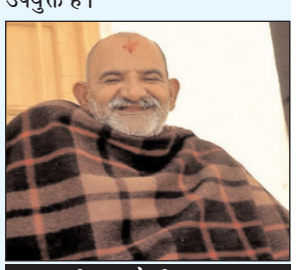

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कोर्ट जा रहे अधिवक्ता पर जानलेवा हमला, सिर पर रॉड से वार, वकीलों में भारी आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता अंबे प्रसाद पांडेय पर बुधवार सुबह कोर्ट जाते समय अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में वकील लाइन बाजार थाने पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के भारती नगर गंगा पट्टी निवासी अधिवक्ता अंबे प्रसाद पांडेय सुबह करीब साढ़े आठ बजे अपने आवास से बाइक द्वारा दीवानी न्यायालय जा रहे थे। आरोप है कि इंग्लिश क्लब के पास तीन अज्ञात युवकों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लोहे की रॉड से उनके सिर के पिछले

हिस्से पर हमला कर दिया। वार इतना जोरदार था कि उनका सिर फट गया और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।

घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर पीली कोठी की तरफ फरार हो गए। आसपास मौजूद लोगों और अन्य अधिवक्ताओं की मदद से घायल अधिवक्ता को तत्काल लाइन बाजार थाने लाया गया, जहां उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। बाद में पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बार अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने मामले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने लाइन बाजार थानाध्यक्ष से फोन पर वार्ता कर आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में अधिवक्ता थाने पहुंच गए और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई।

अब्दुल्लाह आजम खान प्रकरण में निष्पक्ष न्याय की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद आजम खान एवं अब्दुल्लाह आजम खान से जुड़े मामलों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर निष्पक्ष न्याय, संवैधानिक संरक्षण और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की है।

अपने पत्र में उन्होंने कहा कि देश में लंबे समय तक विद्यालयों में जन्मतिथि दर्ज करने की प्रक्रिया अनौपचारिक रही है, जहां कई बार स्थानीय अभिलेखों या अनुमान के आधार पर तिथियां दर्ज की जाती थीं। उन्होंने कहा कि इसी पृष्ठभूमि में अब्दुल्लाह आजम खान की जन्मतिथि से जुड़ा विवाद सामने आया, जिसके आधार पर बाद में दस्तावेज तैयार किए गए।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्ष 2017 में जन्मतिथि संशोधन के बाद संबंधित दस्तावेजों को अद्यतन कराया गया था। उन्होंने न्यायालय से अपील करते हुए कहा कि सभी अभिलेखों और तथ्यों पर व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण से विचार किया जाना चाहिए, ताकि न्यायपालिका पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

उन्होंने कहा कि यह मामला केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र, न्यायिक निष्पक्षता और संविधान की मूल भावना से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में न्याय का आधार निष्पक्ष सुनवाई, संवैधानिक मयार्दा और मानवीय संवेदनशीलता है।

अपने वक्तव्य में उन्होंने मोहम्मद आजम खान को उत्तर प्रदेश की राजनीति का महत्वपूर्ण चेहरा बताते हुए कहा कि वे

17 मई को होगा लोकतांत्रिक धरना

विधायक, सांसद, मंत्री और नेता प्रतिपक्ष जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं तथा उनका सार्वजनिक जीवन सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संघर्षों से जुड़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक मयार्दाओं के अनुरूप होनी चाहिए। न्यायपालिका

पर जनता का विश्वास सर्वोपरि है और प्रत्येक मामले में सभी पक्षों एवं साक्ष्यों का संतुलित परीक्षण लोकतंत्र को मजबूत करता है।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी घोषणा की गई कि 17 मई 2026 को सुबह 10 बजे लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय के समर्थन में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से सामाजिक कार्यकर्ता, लोकतांत्रिक संगठनों के प्रतिनिधि और नागरिक भाग लेंगे।

धरना प्रदर्शन के बाद एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति महोदया एवं भारत के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात कर पूरे प्रकरण से अवगत कराने और न्याय एवं संवैधानिक संरक्षण की मांग करने का प्रयास करेगा।

अंत में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि इतिहास हर संवैधानिक निर्णय को दर्ज करता है और न्याय, निष्पक्षता तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा ही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है।

ईंधन संरक्षण को लेकर डीएम की पहल, काफिले से हटाया एस्कॉर्ट वाहन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऊर्जा संरक्षण और प्रशासनिक कार्यों में संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने काफिले से एस्कॉर्ट वाहन हटाने का निर्णय लिया है।

शासन के निदेशों के क्रम में उठाए गए इस कदम का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करना और सरकारी संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने स्वयं अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों से कहा है कि शासकीय कार्यों में न्यूनतम वाहनों का प्रयोग किया

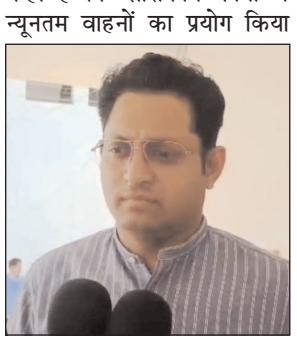

जाए। जिला मुख्यालय, तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध वाहनों का आवश्यकता अनुसार साझा उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने बैठकों को अधिक से अधिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग माध्यम से आयोजित करने तथा अनावश्यक क्षेत्र भ्रमण और बैठकों में वाहन उपयोग से बचने के निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल एवं वर्चुअल माध्यमों को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने आम नागरिकों से भी ईंधन संरक्षण की इस मुहिम में सहभागी बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग निजी वाहनों की अपेक्षा सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, जिससे ईंधन की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके।

20 मई को थमेगी दवा बाजार की रफ्तार, ऑनलाइन बिक्री के विरोध में केमिस्ट्स का बड़ा ऐलान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में 20 मई को दवा दुकानों के शटर बंद रहेंगे। केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स

वेलफेयर एसोसिएशन ने अखिल भारतीय संगठन एआईओसीडी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर यह फैसला लिया है। संगठन ने जिलाधिकारी और औषधि निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉर्पोरेट कंपनियों की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जताई।

प्रदेश अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। दिवाकर सिंह ने कहा कि देशभर के करीब 12 लाख दवा व्यवसायी 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। उनका आरोप है कि ऑनलाइन कंपनियां ड्रग एक्ट के नियमों की अनदेखी कर बिना फार्मासिस्ट के दवाओं की बिक्री कर रही हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नारकोटिक्स, शेड्यूल एच1, हैबिट मेकिंग और नकली दवाओं की बिक्री का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही मोनोपोली दवाओं की सप्लाई और कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट देकर बाजार में असमान प्रतिस्पर्धा पैदा की जा रही है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में महामंत्री बंशीधर मौर्य, कोषाध्यक्ष श्याम सिंह, चेयरमैन शकील अहमद, कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, कार्यवाहक महामंत्री अखिलेश श्रीवास्तव, ऑडिटर सुनील गुप्ता और मीडिया प्रभारी अखिलेश प्रजापति शामिल रहे। बंदी की सूचना औषधि निरीक्षक रजत पाण्डेय को भी दी गई।

उन्नति तिवारी ने 95.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया नाम रोशन

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित सियरावासी गांव के मूल निवासी तथा उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद में डीआरडीए में परियोजना निदेशक के पद पर कार्यरत कैलाश तिवारी की बेटी

उन्नति तिवारी ने सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 95.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉप किया है। उसकी इस उपलब्धि से गांव में रहने वाले उनके परिवार वालों समेत पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। लखनऊ स्थित एसकेडी एकेडमी, विक्रांतखंड गोमतीनगर की होनहार उन्नति ने मेहनत के बल पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यहां उल्लेखनीय है कि उन्नति के पिता केएन तिवारी अल्मोड़ा जिले में डीआरडीए में परियोजना निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। वह जिले में पहले भी जिला विकास अधिकारी के पद पर रह चुके हैं। उनकी धर्मपत्नी ममता तिवारी गृहिणी हैं । उन्नति के चाचा विपिन तिवारी ने बताया कि वह शुरू से ही पढ़ने में टॉपर छात्रा रही। उनकी इस उपलब्धि पर उनके गुरूजनों व नात रिश्तेदारों के साथ-साथ परिवार वालों और क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्नति के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नीट पेपर लीक की खबर के बीच 8 मिनट लेट पहुंची छात्रा का मामला फिर चर्चा में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नीट परीक्षा में पेपर लीक की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर एक छात्रा का मामला तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि 3 मई 2026 को परीक्षा केंद्र पर मात्र 8 मिनट देरी से पहुंचने के कारण छात्रा को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्रा परीक्षा केंद्र के बाहर काफी देर तक रोती और अधिकारियों से गुहार लगाती रही, लेकिन तय नियमों का हवाला देते हुए उसे प्रवेश नहीं दिया गया। उस समय यह मामला काफी चर्चा में रहा था और अब पेपर लीक की खबर के बाद लोग इसे फिर से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं, तो फिर सख्त नियमों का बोझ केवल ईमानदारी से परीक्षा देने वाले छात्रों पर ही क्यों डाला जाता है। फिलहाल नीट पेपर लीक मामले को लेकर जांच एजेंसियां सक्रिय हैं और मामले की जांच जारी है। वहीं छात्रा का पुराना वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर फिर वायरल हो रही हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी देखी जा रही है।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत विकास परिषद शौर्य के तत्वावधान में विकास खण्ड जलालपुर स्थित अभिनव पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुकड़ीपुर में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थाध्यक्ष अवधेश गिरि एवं गतिविधि संयोजक पर्यावरण डा. गिरीश सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निबंध लेखन, पेंटिंग तथा संवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं तथा प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

मुख्य अतिथि डा. शैलेन्द्र कुमार सिंह, प्रधानाचार्य बयालसी इंटर कॉलेज ने अपने संबोधन में संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को केवल विचारों तक सीमित न रखकर धरातल पर उतारने की आवश्यकता है, तभी इसके वास्तविक उद्देश्यों की पूर्ति संभव होगी।

संस्थाध्यक्ष अवधेश गिरि ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन के संस्थापक अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय के मार्गदर्शन में संस्था लगातार विभिन्न सेवा कार्यों का संचालन कर रही है। वहीं कोषाध्यक्ष जयशंकर सिंह ने कहा कि आधुनिक भौतिक विकास की दौड़ में मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

कार्यक्रम का संचालन सह कोषाध्यक्ष अतुल मिश्र ने किया जबकि सचिव नित्यानन्द पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सह सचिव रायसाहब शर्मा, जनार्दन पाण्डेय, अतुल जायसवाल, अरविन्द गिरि, शम्भूनाथ यादव, नागेन्द्र प्रताप यादव, सरिता मिश्रा, डा. शैलेश सिंह, पवन सिंह, कमलेश सिंह, देवेन्द्र दूबे, आशीष सिंह, बृजेश मिश्र, सन्तोष विश्वकर्मा, अजय शुक्ला, अनन्त प्रकाश सिंह, रवि सिंह, चन्द्रकांत, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दुर्गेश सिंह, श्रीप्रकाश यादव, योगेश कुमार, शांत सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

महमदपुर गुलरा में भक्तों के दर्शन के लिए खुला भव्य दुर्गा मंदिर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के खुटहन थाना अंतर्गत स्थित महमदपुर गुलरा गांव में प्राचीन शिवालय एवं हनुमान मंदिर के समीप नव निर्मित मंदिर में सोमवार को मां दुर्गा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। मंदिर का निर्माण स्वर्गीय उमाशंकर पाण्डेय एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय प्रभावती देवी की पावन स्मृति में ग्रामीणों के सहयोग से कराया गया है। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की प्रतिमा को फूल-मालाओं से सजे रथ पर रखकर गाजे-बाजे के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। भक्तों ने जयकारों के बीच पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। पंडित अवधेश महाराज, नन्हे महराज, गगन, गुरु प्रसाद, सोनू, रोहित और बच्ची महराज ने संयुक्त रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। उन्होंने कहा कि मंदिर समाज में आस्था, संस्कार और एकता का संदेश देते हैं।

इस अवसर पर डॉ. श्रीपाल पांडे, राम अनंद पांडे, अमरनाथ तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, पूर्व प्रधान रमेश चन्द्र पाण्डेय, लल्लन पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, इंजीनियर ऋषभ पांडे, डॉ.सुभाष चन्द्र पाण्डेय, पंडित विजय शंकर पाण्डेय, पंडित संजय पाण्डेय, कैलाश नाथ पाण्डेय, संजय सिंह, जगदीश सिंह, वशिष्ठ पाण्डेय, संतोष यादव, सतीश पाण्डेय, प्रेम प्रकाश दूबे, धनंजय पांडे, जगदंबा पांडे, जगदीश पांडे, दयाशंकर पाण्डेय, मृदुल पांडे, राहुल पांडे, प्रवेश पांडे, प्रदीप पांडे, प्रवीण कुमार पांडे, अशोक कुमार पांडे, नित्यानंद पांडे, हरिश्चंद्र पांडे, राजन पांडे, अंकित पांडे, अभिषेक पांडे, विपिन पांडे, नवीन पांडे, रोशन पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह तीसरा मंदिर है। इस मंदिर के बगल में भगवान शंकर और हनुमान जी का भव्य मंदिर है। कुल मिलाकर यह स्थान अब भक्तों की आस्था का केंद्र बन चुका है।

बेसिक शिक्षा विभाग ने मनाया स्व-गणना मेगा दिवस

बीएसए डॉ.गोरखनाथ पटेल ने स्वयं की स्व-गणना कर कर्मचारियों को किया प्रेरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में मकान गणना का

कार्य 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक सम्पन्न कराया जाएगा। इसके पूर्व जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में ह्लस्व-गणना अभियानह्व चलाया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न विभागों के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं।

इसी क्रम में आज 14 मई 2026 को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा स्व-गणना मेगा दिवस मनाया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने अपने कार्यालय में स्वयं स्व-गणना कर किया। साथ ही कार्यालय में कार्यरत समस्त कर्मचारियों की भी स्व-गणना कराते हुए अभियान को गति प्रदान की।

इस दौरान बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल ने जनपद के सभी जिला समन्वयकों, खंड शिक्षा अधिकारियों, SRG, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, अनुदेशकों एवं शिक्षामित्रों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं स्व-गणना करें तथा आमजन को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि स्व-गणना के माध्यम से लोग घर बैठे सरल तरीके से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे जनगणना प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एआई से बनाई गई फर्जी तस्वीरों पर भड़की सांसद प्रिया सरोज, वाराणसी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र की सांसद प्रिया सरोज की कथित फर्जी और मॉर्फ्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में वाराणसी साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। सांसद की शिकायत पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद ने आरोप लगाया कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए एआई तकनीक का इस्तेमाल कर एडिटेड तस्वीरें और भ्रामक पोस्ट वायरल किए गए, जिससे उनकी राजनीतिक एवं सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। शिकायत में अमोद सिंह और विशाल सिंह नामक व्यक्तियों के फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स

का उल्लेख किया गया है।

प्रिया सरोज ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत मानहानि का मामला नहीं, बल्कि एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि की गरिमा पर हमला है। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। शिकायत में दिए गए स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर संबंधित अकाउंट्स की गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

सांसद ने कहा कि सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का माध्यम है, किसी की प्रतिष्ठा धूमिल करने का नहीं। एआई तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी तस्वीरें बनाना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई जरूरी है। इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि एआई तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ इस प्रकार के साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण समय की बड़ी आवश्यकता बन गया है।

प्रधानमंत्री के विरुद्ध टिप्पणी पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, सांसद से मांगी माफी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह के नेतृत्व में महिला कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और सांसद के इस्तीफे की मांग उठाई।

जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह ने कहा कि सार्वजनिक मंच से देश के सर्वोच्च पद पर आसीन प्रधानमंत्री के खिलाफ निम्नस्तरीय भाषा का प्रयोग न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दाओं पर भी आघात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि हैं और उनके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग समाजवादी पार्टी की मानसिकता को दशार्ता है।

भाजपा जिला मंत्री अंशु कुशवाहा ने कहा कि सांसद अजेंद्र सिंह लोधी

बिना शर्त देश और प्रधानमंत्री से माफी मांगें। उन्होंने मांग की कि संसद की गरिमा भंग करने के मामले में उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह अपने सांसद के बयान का समर्थन करता है।

क्षेत्रीय मंत्री महिला मोर्चा अर्चना शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी बेहद अशोभनीय है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मामले में माफी मांगने और सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

प्रदर्शन में विमला श्रीवास्तव, किरन मिश्रा, प्रीति गुप्ता, राखी सिंह, वंदना सिंह, मिलन श्रीवास्तव, निशी सोनकर, सुशीला सिंह, पूनम प्रजापति, पूजा सिंह, शांति मौर्य, मीता यादव, आशा सुमन, लीलावती गुप्ता समेत सैकड़ों महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

तीन महीने से फटी पड़ी पेयजल पाइपलाइन, 35 से 40 सालों से नहीं हुई थी ऐसी समस्या

हजारों लीटर पानी रोज हो रहा है बर्बाद, नगर पंचायत के खिलाफ लोगों में रोष

मोहल्ला शेखजादा में जलभराव से लोगों को हो रही है आवागमन में परेशानी

सरिता यादव

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार जहां एक-एक बूंद पानी बचाने के लिए 'जल शक्ति अभियान' चला रही है, वहीं केराकत नगर पंचायत की लापरवाही के चलते रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल नालियों में बह रहा है। मामला नगर के शेखजादा मोहल्ले का है, जहां गडही के पास मुख्य पाइपलाइन पिछले तीन महीने से क्षतिग्रस्त है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण घरों में लगे नलों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। लोगों को एक बाल्टी पानी भरने में भी काफी समय लग रहा है, जिससे मोहल्लेवासियों में भारी नाराजगी है।

लोगों का कहना है कि इस तरह से नगर वासियो के साथ 35 से 40 वर्षों में कभी पानी की समस्या नहीं आयी थी! हम नगर वासियो के दिल के अरमां आसूवों में बह गये! हम केराकत नगर वासी झूठे वादों में फंस गये! जो अब हम लोगों को पछतावा हो रहा है! खैर मनमानी की भी एक सीमा होती है कुछ समय बीत गये कुछ

ही समय शेष है!

स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइप फटने की जानकारी नगर पंचायत कर्मियों और मौजूदा चेयरमैन को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। नगर पंचायत की अनदेखी के चलते प्रतिदिन हजारों लीटर पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है।

सड़क पर लगातार पानी जमा रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मोहल्लेवासियों ने जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कराने की मांग की है।आखिर सवाल यह उठता है कि भोली भाली जतना की बातों को जिम्मेदार लोगों द्वारा क्यों नहीं सुनी जाती क्या अब नगर वीडियो के बीच जाकर वोट नहीं मांगना है या फिर दोबारा चुनाव नहीं लड़ना है जनता इसका जवाब चुनाव में देगी साहब, इस बात की चर्चा नगर में जोरों पर की जा रही है।

मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव के निधन पर विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने दी श्रद्धांजलि

अखिलेश यादव के लखनऊ स्थित आवास पहुंचकर दी श्रद्धांजलि, परिवार को ढांढस बंधाया

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय नेताजी स्व. मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। बुधवार को मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर लखनऊ स्थित सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवास पहुंचीं और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाजवादी परिवार यादव परिवार के साथ खड़ा है। डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा, ईश्वर से प्रार्थना है कि परिवारजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। उन्होंने लखनऊ स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुफ्तीगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुफ्तीगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.के. पटेल अनुपस्थित पाए गए। जिस पर मेडिकल ऑफिसर डॉ. कमलेश कुमार द्वारा बताया गया कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी जनपद मुख्यालय पर बैठक हेतु गए हैं, परंतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी लेने पर पर ज्ञात हुआ कि जनपद मुख्यालय पर कोई बैठक आयोजित नहीं की गई। जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने मेडिकल ऑफिसर डॉ0 कमलेश कुमार को गलत जानकारी देने के लिए स्पष्टीकरण एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को अनुपस्थिति होने पर अग्रिम आदेश तक वेतन बाधित करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ-सफाई के निर्देश दिए गए, साथ ही मरीजों को ससमय भोजन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा टीबी मरीजों से संवाद कर दवा वितरण एवं उपचार संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त वार्ड एवं परिसर को स्वच्छ रखा जाए तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों के उपचार हेतु समुचित एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुंबई में हुई सड़क दुर्घटना में घर का चिराग बुझा, परिवार पर टूटा दुःखों का पहाड़

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बरसठी के बेलौना कला निवासी अवनीश सिंह (38) की मृत्यु बुधवार को मुम्बई के भयंदर मीरा में सड़क दुर्घटना में हो गई।वह पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे और फोर व्हीलर ने टक्कर मार दी जिसमें उनकी पत्नी भी घायल हो गईं। अवनीश के सिर में तेज चोट लगी। पुलिस उन्हें तत्काल उठाकर अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्नी का भी इलाज चल रहा है। यह दुःखद समाचार जैसे ही उनके गांव बेलौना कला पहुंचा घर में बूढ़ी मां का रो रोकर बुरा हाल है। अवनीश पांच बहनों के इकलौते भाई थे। सभी बहनों की शादी हो चुकी थी।अवनीश का इकलौता पुत्र आर्यन (14) है जो अभी पढ़ रहा है।एक पुत्री भी थी लेकिन तीन वर्ष पहले रेबीज के चलते उसकी मौत हो चुकी है। परिवार की तीन पीढ़ियों में तीन लोग बचे मां, पत्नी, पुत्र। अवनीश की इस असामायिक मृत्यु से पूरे गांव में मातम है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला घायल

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत कांशीराम आवास के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक महिला गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गयी। मौके पर मौजूद परिजन इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। आजमगढ़ जनपद के सरायमीर बाजार निवासी 30 वर्षीय ममता पत्नी अशोक कुमार बुधवार की अपने पति के साथ बाइक से शाहगंज से घर जा रही थी कि आजमगढ़ मार्ग स्थित कांशीराम आवास के समीप तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसके चलते ममता गंभीर रूप से घायल हो गयी। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से परिजन इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया।

सडक हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। गुरुवार सुबह नेवढ़िया थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जलालपुर थाना क्षेत्र के सुअरी पसियाही गांव निवासी यश गुप्ता अपने ननिहाल नेवढ़िया थाना क्षेत्र के अहिरौली कुत्तूपुर गांव में थे। वह स्कूटी से इटाएं बाजार जा रहे थे, तभी हरसिंहपुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि यश गुप्ता की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। परिजनों ने बताया कि यश गुप्ता गुरुवार को ही मुंबई जाने की तैयारी में थे। उनका गोदान एक्सप्रेस का टिकट भी आरक्षित था। उनके माता-पिता मुंबई में रहते हैं। यश अपने दो भाइयों में सबसे बड़े थे और उनकी एक बहन भी है। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और नेवढ़िया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

सक्षम साहू इंटरमीडिएट परीक्षा में बने टॉपर, विद्यालय में खुशी की लहर

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के प्रतिष्ठित डालिम्स सनबीम स्कूल का इस वर्ष इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा परिणाम अत्यंत शानदार रहा। विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया। कॉमर्स संकाय के मेधावी छात्र सक्षम साहू ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं विज्ञान संकाय में स्नेहजल चौरसिया ने 92.6 प्रतिशत, वैष्णवी गुप्ता ने 91.2 प्रतिशत, निखिल यादव ने 90 प्रतिशत तथा आमिना युसरा ने 89.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। कॉमर्स संकाय में ऋषभ राय ने 90 प्रतिशत अंक अर्जित किए, जबकि ह्यूमैनिटीज संकाय में समरा जेहरा ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव

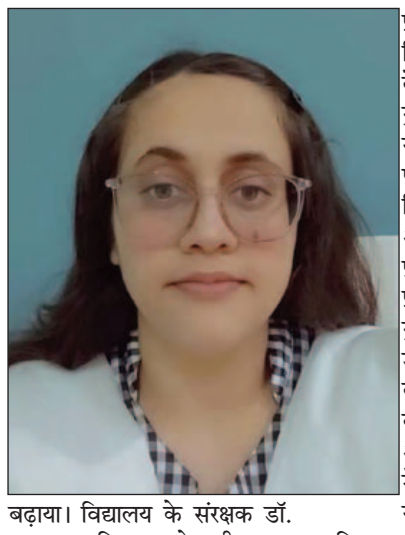

बढ़ाया। विद्यालय के संरक्षक डॉ. अब्दुल कादिर खान ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। यह परिणाम शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयास का प्रतिफल है। प्रधानाचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों ने लगन, आत्मविश्वास और कठिन मेहनत के बल पर यह सफलता अर्जित की है। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी सफलता का उत्सव मनाया

ग्यासपुर नोनारी गाँव में प्राथमिक विद्यालय की मांग,राष्ट्रवादी नौजवान सभा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सबसे बड़े विकास खण्ड शाहगंज सोंधी के ग्रामसभा ग्यासपुर नोनारी गाँव में प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की माँग को लेकर गुरुवार को राष्ट्रवादी नौजवान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन की अध्यक्षता में जिलाधिकारी जौनपुर को ज्ञापन सौंपा गया है।लोगों का कहना है कि आजादी के बाद से अब तक गाँव में कोई बड़ा विकास कार्य नहीं हुआ है और सबसे बड़ी समस्या प्राथमिक शिक्षा की है।

ज्ञापन के अनुसार गाँव में लगभग 400 परिवार एवं करीब 2000 मतदाता निवास करते हैं लेकिन इसके बावजूद गाँव में एक भी प्राथमिक पाठशाला नहीं है। इसके चलते छोटे बच्चों को 3 से 5 किलोमीटर दूर स्थित विद्यालयों तक

पैदल जाना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि रास्ते में बच्चों के गिरने, दुर्घटनाग्रस्त होने तथा अन्य परेशानियों के कारण हमेशा चिंता बनी रहती है। ज्ञापन में बताया गया कि गाँव में ग्राम समाज की लगभग दो बीघा भूमि खेलकूद एवं विद्यालय निर्माण के लिए उपलब्ध है। ग्रामीणों ने प्रशासन से माँग की है कि आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर जल्द से जल्द नए प्राथमिक विद्यालय का निर्माण कराया जाए, ताकि गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा का अधिकार आसानी से मिल सके। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के अध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया है कि इस मांग-पत्र को मुख्यमंत्री तक पहुँचाकर गाँव के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में सहयोग करें।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रतनदीप शर्मा साजन, समेत दर्जन भर लोग शामिल रहे ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश दौरे पर आएंगे कृष्ण कुमार पाण्डेय

मुम्बई/उत्तर प्रदेश, 14 मई। भारत वैभव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय दूसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद अपने पहले राजनीतिक दौरे पर उत्तर प्रदेश आ रहे हैं। वह 15 मई को मुम्बई से उत्तर प्रदेश के लिए प्रस्थान करेंगे। अपने उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान श्री पाण्डेय नवनियुक्त जिलाध्यक्षों एवं वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में जिलाध्यक्षों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जागरूकता अभियान एवं रोड शो में शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करेंगे। दौरे के दौरान वह भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे।

भारत वैभव पार्टी संवेदनाशून्य होती राजनीति के मुद्दे पर अपना पक्ष मजबूती से रखेगी। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अजय मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय के उत्तर प्रदेश आगमन की सूचना से प्रदेशभर के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में खुशी एवं उत्साह का माहौल है। यह जानकारी पार्टी अध्यक्ष के निजी सचिव अजय मिश्रा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

लगभग 25 यूट्यूबर, कॉमेडियन एवं गायक कलाकार बिंद ब्रांड से सम्मानित

भदोही (उत्तरशक्ति)। रविवार को ज्ञानपुर स्टेशन रोड स्थित बिंद निकेतन में बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेषधर बिंद द्वारा लगभग 25 यूट्यूबर, कॉमेडियन एवं गायक कलाकारों को बिंद ब्रांड बीएसवीएस की टी-शर्ट एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं और कलाकारों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर नन्हे धावक चेतक जैसी उड़ान भरने वाले बादल बिंद को भी सम्मानित किया गया। बादल बिंद ने ललितपुर, मांडा मिजार्पुर के विंध्याचल से लखनऊ तक की लंबी दूरी दौड़कर तय की है। उन्हें भारत के संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मोमेंटो ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले प्रमुख

यूट्यूबर एवं कलाकारों में बीएसवीएस न्यूज, राहुल भदोही वाले, अनिल बिंद जोकर, पीके कॉमेडियन, रोहित रॉक तथा अंकुर कॉमेडियन शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेषधर बिंद ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को पढ़ना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान पूरे विश्व में सबसे मजबूत और सशक्त संविधान है। भारत देश जातिवाद, धर्मवाद या प्रांतवाद से नहीं, बल्कि संविधान से चलता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं कलाकार उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों सहित अभिभावकों को किया गया सम्मानित

मुंबई। सर्व सहयोग सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बुधवार, 13 मई 2026 को अतिजा रेस्टोरेंट प्रांगण में मुंबई बोर्ड परीक्षा की 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। बोर्ड परीक्षा में समाज एवं परिवार का नाम रोशन करने वाले किशन प्रदीप कुमार शर्मा, शिखा प्रदीप कुमार शर्मा, आदर्श हरिकेश शर्मा तथा अनुष्का मनोज शर्मा को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनसे अपेक्षा की गई कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन करते रहें। समाजसेवी मनोज जगदीश शर्मा ने बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु पठन-पाठन से संबंधित सामग्री उपहार

स्वरूप प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सर्व सहयोग सेवा ट्रस्ट के लेखा-जोखा पदाधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा नंदवंशी को उनके 25वें वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर उपस्थित समाजसेवियों एवं संस्था के पदाधिकारियों द्वारा अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। प्रदीप शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सैन हरिकेश शर्मा नंदवंशी, युवा नेता एवं साप्ताहिक समाचार पत्र कदम कदम पर के प्रबंध संपादक अनिल कुमार शर्मा, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप, संतोष निरंकार शर्मा, मनोज जगदीश शर्मा, लालमणि शर्मा, पंकज शर्मा, मिथिलेश शर्मा, चंदन शर्मा, अमन शर्मा, अंकित शर्मा, रेनु शर्मा, इंदु शर्मा, रंजना शर्मा, गुंजा शर्मा एवं रेखा शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रक और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में तीन घायल, जिला अस्पताल रेफर

राम कुमार गुप्ता

रेणुकोट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाले रांची-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरनाकछार पेट्रोल पंप के पास ट्रक और मोटरसाइकिल की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार हरनाकछार ग्राम पंचायत निवासी अशोक विश्वकर्मा (45) अपने पुत्र सूर्यकांत विश्वकर्मा (25) तथा सहयोगी पिंटू (20) के साथ मोटरसाइकिल से पड़ोसी गांव सलैयाडिह में एक वैवाहिक कार्यक्रम में टेंट का सामान लगवाने जा रहे थे। इसी दौरान विंढमगंज से दुद्धी की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में अशोक विश्वकर्मा

का दाहिना पैर, सूर्यकांत विश्वकर्मा का दाहिना हाथ तथा पिंटू का दाहिना पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल टेंपो के माध्यम से विंढमगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉ. सत्येंद्र प्रसाद और फार्मासिस्ट रंजीत ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। वहीं प्रधान प्रतिनिधि निरंजन सोनी द्वारा सूचना दिए जाने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भीषण सड़क हादसों ने छीनी छह जिंदगियां, एक परिवार के चार लोगों की मौत

मो. इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद और आसपास के मार्गों पर हुए भीषण सड़क हादसों ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के रामगढ़ गांव निवासी एक ही परिवार के चार लोगों की बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसे में मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके अलावा जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में घायल दो अन्य युवकों ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगढ़ गांव निवासी अजीत विश्वकर्मा (38) महोबा के कबरई कस्बे में परिवार के साथ रहकर टायर की दुकान संचालित करते थे। बुधवार शाम वह अपनी मां प्रेमशीला (55), दादी चंद्रावती (80), चाची निशा विश्वकर्मा (40) तथा चचेरी बहन रिया (19) के साथ स्कॉर्पियो से कुलदेवता की पूजा कर महोबा लौट रहे थे। करीब 450 किलोमीटर की यात्रा के बाद गुरुवार सुबह बांदा जिले के हथौड़ा गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर वाहन चला रहे अजीत को अचानक

कुलदेवता की पूजा कर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार, युवती गंभीर रूप से घायल

झपकी आ गई। इससे स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर आगे चल रहे सिलेंडर लदे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में अजीत विश्वकर्मा, उनकी मां प्रेमशीला, दादी चंद्रावती और चाची निशा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रिया गंभीर रूप से घायल हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर किया गया है।

सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद शवों को वाहन से बाहर निकाला। अजीत का शव ड्राइविंग सीट और इंजन के बीच बुरी तरह फंसा हुआ था, जिसे निकालने के लिए दो क्रेनों की मदद लेनी पड़ी। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि अजीत के पिता राम विनय विश्वकर्मा का पहले ही निधन हो चुका है। अब परिवार में उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चे ही बचे हैं।

उधर, बिलरियागंज थाना क्षेत्र के छीहीं गांव निवासी अमित गुप्ता (41) की भी सड़क हादसे में घायल होने के बाद जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह शादी समारोहों और ढाबों में खाना बनाने का कार्य करते थे। 10 मई को वह लखनऊ जाने के लिए बस पकड़ने जा रहे थे, तभी पीछे से आ रही एक निजी एसी डिलक्स बस ने उन्हें टक्कर मार दी थी।

वहीं कंधरापुर थाना क्षेत्र के बाकीपुर सोनहरिया गांव निवासी अवधेश यादव (28) की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह मुंबई में ट्रक चालक थे और बहन की शादी में शामिल होने घर आए थे। 10 मई की रात शादी समारोह से लौटते समय पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल अवधेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई।

महिला से नकदी व सामान छीनकर बदमाश फरार, विरोध करने पर किया घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार में गुरुवार को बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने एक महिला से नकदी और कपड़ों से भरा झोला छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने महिला को घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। घायल महिला का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। जानकारी के अनुसार राजपुर गांव निवासी सुमित्रा देवी (40) पत्नी गणेश निषाद अपने परिचित योगेंद्र प्रसाद यादव के साथ त्रिलोचन महादेव बाजार कपड़ों की खरीदारी करने गई थीं। खरीदारी के बाद घर लौटते समय बाजार के समीप बाइक सवार तीन बदमाश, जिन्होंने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे, अचानक पहुंचे और महिला का झोला छीनने लगे। झोले में करीब तीन हजार रुपये नकद, साड़ियां और अन्य कपड़े रखे थे। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने उन्हें घायल कर दिया और झोला लेकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मजबूत EBITDA ग्रोथ और बेहतर आय के साथ एकम्स के Q4 FY26 और FY26 नतीजे घोषित

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (CDMO) एकम्स ड्रग्स & फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 26 के लिए अपने वित्तीय परिणामों को जारी किया। कंपनी ने द4 ₹26 के दौरान स्थिर प्रदर्शन किया। इस दौरान कंपनी के मुख्य घरेलू CDMO व्यवसाय के कारण राजस्व में अच्छी वृद्धि हुई और परिचालन लाभप्रदता (ऑपरेटिंग प्रॉफिटेबिलिटी) में सुधार देखने को मिला।

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में एकम्स के मुख्य कारोबार से आय 1,158 करोड़ रही। यह आय पिछले साल की इसी तिमाही के 1,056 करोड़ के मुकाबले 9.7% ज्यादा है। इस दौरान कंपनी का एडजस्टेड EBITDA 152 करोड़ रहा। इसमें सालाना आधार पर 61.6% की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज हुई। पिछले साल इसी अवधि में यह 94 करोड़ था। इस आधार पर कह सकते हैं कि EBITDA मार्जिन भी 8.9% से बढ़कर 13.1% हो गया। कंपनी का एडजस्टेड PAT (टैक्स कटने के बाद लाभ) 83 करोड़ रहा जोकि पिछले साल की इसी तिमाही के 35 करोड़ के मुकाबले 135% ज्यादा है। PAT मार्जिन भी 3.3% से बढ़कर 7% हो गया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की मुख्य कारोबार से आय 4,359 करोड़ रही, जो FY25 के 4,118 करोड़ के मुकाबले 5.9% ज्यादा है। वहीं एडजस्टेड EBITDA 13.3% बढ़कर 522 करोड़ और एडजस्टेड PAT 27.3% बढ़कर 276 करोड़ हो गया।

Q4FY26 के दौरान एकम्स के लिए CDMO सेगमेंट आय में वृद्धि का मुख्य माध्यम रहा। इस तिमाही में CDMO से होने वाली कमाई बढ़कर 952 करोड़ हो गई, जबकि Q4 FY25 में यह 840 करोड़ थी। CDMO का EBITDA साल-दर-साल 54.9% बढ़कर 137 करोड़ हो गया, वहीं EBITDA मार्जिन 10.6% से बढ़कर 14.4% हो गया। इस बेहतरीन प्रदर्शन की मुख्य वजह ग्राहकों के साथ लगातार जुड़ाव, क्षमता का बेहतर इस्तेमाल और काम को पूरी लगन से करना रहा।

किआ इंडिया ने बैटरी-एज-अ-सर्विस फाइनेंस प्रोग्राम लॉन्च किया

मुंबई। देश के प्रमुख मास-प्रिमियम ऑटोमेकर्स में से एक किआ इंडिया ने अपने पहले 'मेड-इन-इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन किआ कैरेंस क्लेविस ईवी के लिए बैटरी-एज-अ-सर्विस (बीएएएस) फाइनेंस प्रोग्राम लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना है और ग्राहकों को ज्यादा वित्तीय लचीलापन देकर ईवी चैम्पियनशिप को अधिक सुलभ बनाना है। प्रगतिशील सरकारी नीतियों और बढ़ते चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते भारत का ईवी बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। तेजी से बदलते और विकसित होते इस ईवी बाजार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए किआ इंडिया ने 2025 में किआ कैरेंस क्लेविस ईवी लॉन्च किया, जिसे ग्राहकों से डिजाइन, तकनीक, उपयोगिता और समग्र ओनरशिप अनुभव के लिए अच्छा रिस्पॉन्स

मिला है। किआ कैरेंस क्लेविस ईवी को मिले अच्छे बाजार रिस्पॉन्स के आधार पर किआ इंडिया अब बैटरी-एज-अ-सर्विस (बीएएएस) फाइनेंस प्रोग्राम पेश कर रही है। इसका उद्देश्य फ्लेक्सिबल ड्यूल-लोन विकल्पों के जरिए इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकाना हक को और आसान और व्यापक बनाना है। इस पहल को आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व जैसे प्रमुख वित्तीय संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। ड्यूल-लोन फाइनेंसिंग मॉडल के तहत वाहन के चेसिस और बैटरी के लिए अलग-अलग लोन अकाउंट बनाए जाएंगे, जिससे ईवी ओनरशिप में अधिक पारदर्शिता और लचीलापन मिलेगा। इस प्रोग्राम में किआ कैरेंस क्लेविस ईवी की शुरूआती कीमत 51,520 रुपये से शुरू होती है, जबकि बैटरी के लिए 3.3 रुपये प्रति किलोमीटर का स्पष्ट भुगतान मॉडल रखा गया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन का मालिकाना अनुभव और अधिक किफायती और ग्राहक-केंद्रित बनता है। बीएएएस प्रोग्राम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए किआ इंडिया के चीफ सेल्स ऑफिसर सुन्हाक पार्क ने कहा, ₹किआ इंडिया के लिए सस्टेनेबिलिटी सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसा पूरा इकोसिस्टम बनाना है जो ईवी अपनाने को आसान और व्यावहारिक बनाए। बैटरी-एज-अ-सर्विस (बीएएएस) मॉडल इसी दिशा में एक रणनीतिक कदम है, जो ग्राहकों को कम शुरूआती लागत और अधिक वित्तीय लचीलापन के साथ एडवांस ईवी तकनीक का अनुभव करने में मदद करता है। यह पहल भारत में स्मार्ट और टिकाऊ मोबिलिटी को बढ़ावा देने की किआ इंडिया की दीर्घकालिक सोच को दशार्ती है। कंपनी अपने पहले 'मेक-इन-इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन किआ कैरेंस क्लेविस ईवी के जरिए देश में ईवी अपनाने को और आसान बनाना चाहती है।

सेलिब्रेशन दिवस कार्यक्रम में सम्मानित होने पर व्यक्त किए आभार

सूरत। आज आयोजित सेलिब्रेशन दिवस (RNR) कार्यक्रम मेरे जीवन का अत्यंत गर्व, सम्मान एवं प्रेरणा से भरपूर क्षण रहा। इस भव्य एवं सफल कार्यक्रम का आयोजन करने वाले आदरणीय वरिष्ठजन – Ascolite FÔmily के हिरेन शाह सर, सतीश सर, गफ्फार सर एवं समस्त मैनेजमेंट टीम के प्रति मैं हृदय की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। कार्यक्रम के दौरान मुझे जो सम्मान, स्नेह एवं सराहना प्राप्त हुई, वह मेरे लिए अत्यंत भावुक एवं अविस्मरणीय पल रहा। यह सम्मान केवल मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरी Ascolite FÔmily के प्रेम, विश्वास, सहयोग एवं मार्गदर्शन का प्रतीक है।

इस सम्मान का श्रेय विशेष रूप से हिरेन शाह, राहुल, महेश, राकेश, कल्पेश भाई, अशोक मोरी, बकुलेश भाई एवं Ascolite FÔmily के सभी साथियों को समर्पित का रहा। इनके निरंतर सहयोग, प्रेरणा एवं विश्वास ने सदैव आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान की। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित प्रेरणा, अर्चना एवं श्याम प्रिया का भी हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता किया। जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को औरबढ़ाया।

हिंदी साहित्य भारती का अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन

-प्रो डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी साहित्य भारती द्वारा दिनांक 16, 17 एवं 18 मई 2026 को श्री साईं बाबा सभागृह, साईं बाबा संस्थान परिसर, शिर्डी (महाराष्ट्र) में भव्य अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश-विदेश से हिंदी साहित्य, भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं राष्ट्र चिंतन से जुड़े विद्वान, साहित्यकार, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधि सहभागी होंगे। उक्त कार्यक्रम का आयोजन हिंदी साहित्य भारती की ओर से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के संयोजक

हिंदी साहित्य भारती के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कृष्ण प्रकाश हैं। संस्था के महाराष्ट्र अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. दयानंद तिवारी हैं, जिनसे अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर - 9987123330 पर संपर्क किया जा सकता है। संस्था के मुंबई अध्यक्ष डॉ. दिनेश पाठक भी आयोजन व्यवस्था एवं समन्वय में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था के अंतर्राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष श्री रविंद्र शुक्ल पूर्व शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश ने कहा कि संस्था का मूल उद्देश्य हिंदी साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए ह्मानव बन जाए जग साराह्व के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। आयोजकों ने महाराष्ट्र सहित देशभर के साहित्य प्रेमियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

इंदौर में एक ही परिवार में 2 बच्चियों की मौत, मां-बहन की हालत गंभीर

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में पिछले चार दिन के दौरान एक ही परिवार की दो बच्चियों की संदिग्ध हालात में मौत के बाद प्रशासन जांच में जुट गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हासानी ने संवाददाताओं को बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर देपालपुर कस्बे में छह साल की बच्ची की मौत 10 मई की दरम्यान रात हुई।उन्होंने कहा कि बच्ची के परिजन उसे मृत हालत में एक निजी चिकित्सालय ले गए थे। सीएमएचओ के मुताबिक बच्ची को उल्टियां हो रही थीं और परिजनों ने उसके इलाज के लिए किसी चिकित्सक से सलाह नहीं ली थी। उन्होंने बताया कि आठ साल की एक अन्य बच्ची ने 11 मई को चिकित्सालय में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सीएमएचओ ने बताया कि दोनों बच्चियां सगी बहने थीं।

सही मटेरियल के साथ सही एसी का चयन इस गर्मी में आपकी बचत बढ़ा सकता है

मुंबई। भारतभर में गर्मी का तापमान बढ़ने के साथ एयर कंडीशनर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। नया एसी खरीदते समय कई उपभोक्ता मुख्य रूप से कीमत या ब्रांड पर ध्यान देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक बिजली बिल में बचत और बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए स्टार लेबल, निर्माण वर्ष, आईइसईईआर(इंडियन सीजनल एनर्जी एफिशिएंसी रेशियो) वैल्यू और एसी में इस्तेमाल किए गए मटेरियल की जांच करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने एयर कंडीशनर्स के लिए संशोधित ऊर्जा दक्षता मानक लागू किए हैं, जो 31 दिसंबर 2027 तक मान्य रहेंगे। इन संशोधित मानकों के अनुसार, 2026 में निर्मित 5-स्टार स्प्लिट एसी के लिए आईइसईईआर वैल्यू 5.6 होना आवश्यक है, जबकि 5-स्टार विंडो एसी के लिए आईइसईईआर वैल्यू 3.7 होनी चाहिए। इसलिए उपभोक्ताओं को एसी खरीदते समय लेबल अवधि की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए, क्योंकि 2025 में निर्मित 5-स्टार एसी नए 2026 मानकों के तहत प्रभावी रूप से 4-स्टार एसी के बराबर माना जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवीनतम मानकों के अनुसार निर्मित एसी लगभग 10% अधिक ऊर्जा दक्ष होते हैं, जिससे घरों में समय के साथ बिजली की खपत में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उद्योग विशेषज्ञ यह भी जोर देते हैं कि हीट एक्सचेंजर्स में इस्तेमाल किया गया मटेरियल एसी की दक्षता और टिकाऊपन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हीट एक्सचेंजर्स में उपयोग होने वाली उन्नत 5 मिमी इनर-ग्रूव्ड कॉपर ट्यूब्स तेजी से हीट एक्सचेंज सुनिश्चित करती हैं, जिससे एसी कम बिजली की खपत के साथ कमरों को अधिक प्रभावी ढंग से ठंडा करता है। कॉपर हीट एक्सचेंजर्स को विशेष रूप से भारत की उष्णकटिबंधीय जलवायु में बेहतर जंग प्रतिरोध क्षमता के कारण अधिक टिकाऊ माना जाता है। इसके अलावा, कॉपर-आधारित हीट एक्सचेंजर्स का रखरखाव और मरम्मत साइट पर ही आसानी से की जा सकती है, जबकि एल्युमिनियम अलॉय माइक्रोचैनल हीट एक्सचेंजर्स में लीकेज होने पर अक्सर पूरे यूनिट को बदलना पड़ता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, एल्युमिनियम अलॉय माइक्रोचैनल हीट एक्सचेंजर्स को साफ करना अधिक कठिन होता है, जिससे समय के साथ एसी की दक्षता और स्टार रेटिंग तेजी से घट सकती है, जबकि कॉपर हीट एक्सचेंजर्स लंबे समय तक प्रदर्शन और ऊर्जा दक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं। विशेषज्ञ उपभोक्ताओं को पुराने और संशोधित स्टार रेटिंग की सीधे तुलना करने से बचने और खरीदारी से पहले लागू बीईई लेबल अवधि की जांच करने की सलाह देते हैं। हालांकि उच्च रेटिंग वाले एसी की शुरूआती लागत अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है, लेकिन वे कम बिजली बिल, कम रखरखाव खर्च और लंबे उत्पाद जीवन के माध्यम से दीर्घकालिक लाभ प्रदान करते हैं। भारत ऊर्जा दक्षता और टिकाऊ कूलिंग समाधानों पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसे में नवीनतम स्टार रेटिंग और कॉपर-आधारित तकनीक वाला सही एसी चुनना घरों और

मुंबई में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर अहम बैठक

वसई रोड। चित्रा वाघ ने मुंबई में मेयर रितु तावड़े से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डिप्टी मेयर संजय घाड़ी भी उपस्थित रहे। बैठक में मुंबई में महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण के लिए लागू की जाने वाली विभिन्न योजनाओं तथा मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही नागरिक सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर चित्रा ताई वाघ ने महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, मेयर रितु तावड़े ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए अनुभवी और मजबूत नेतृत्व का मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। बैठक में महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और समग्र विकास को लेकर मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की शुभेच्छा भेंट

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित केशर बाग चौकी निवासी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दिनांक 14 मई 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के इंदौर पहुंचे पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संवाददाता प्रणित नरेंद्र तिवारी ने हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास इंदौर अन्नपूर्णा रोड स्थित सुदामा नगर पहुंच कर पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की। बता दें दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पी के सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे इंदौर निवासी बाएं से रुपेश शर्मा, अतुल बैरागी उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी , दिपेश पांडे ने पहुंचकर प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की ।

फेडएक्स ने सीएसके पार्टनरशिप के जरिए 'फेडएक्स केयर्स' पहल को दिया बढ़ावा

मुंबई। फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स), दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी, ने हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों रुतुराज गायकवाड़, आयुष म्हात्रे, अंशुल कम्बोज और संजू सैमसन और मुंबई व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के बीच एक विशेष संवाद आयोजित किया। मुंबई व्हीलचेयर क्रिकेट टीम का नेतृत्व कप्तान राहुल रामुगड़े कर रहे हैं और यह टीम पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया से जुड़ी हुई है। फेडएक्स केयर, कंपनी का वैश्विक सामुदायिक जुड़ाव कार्यक्रम, के हिस्से के रूप में आयोजित इस सत्र ने मुंबई व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को सीएसके खिलाड़ियों से मिलने और बातचीत करने का अवसर दिया। बातचीत का विषय था दृढ़ता, संकल्प और क्रिकेट के प्रति साझा जुनून। इस मौके पर फे-डएक्स नेतृत्व से भी प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें कामी विश्वनाथन प्रेसिडेंट, मिडिल ईस्ट, इंडियन सबकॉन्टिनेंट और अफ्रीका MEISA, फेडएक्स और सुवेंदु चौधरी वाइस प्रेसिडेंट, ऑपरेशंस एंड प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग, इंडिया, फेडएक्स शामिल थे। फे-डएक्स MEISA के वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्किंग, नितिन नवनीत तातिवाला ने कहा, ह्मखेलों की सबसे प्रेरणादायक कहानियाँ हमेशा स्टेडियम की रोशनी में नहीं दिखतीं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ हमारी साझेदारी हमेशा इस बात पर आधारित रही है कि क्रिकेट लोगों को जोड़ने की ताकत रखता है। यह मुलाकात उसी का एक सार्थक उदाहरण थी। खिलाड़ियों की खेल भावना ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र ने कहा, मुंबई व्हीलचेयर क्रिकेट टीम ने अपनी कौशल को निखारने में अद्भुत साहस और समर्पण दिखाया है, और यह सत्र उनके कठिन परिश्रम का प्रमाण है। हम फेडएक्स और चेन्नई सुपर किंग्स के आभारी हैं कि उन्होंने हमारे एथलीट्स के प्रयासों को पहचाना, भले ही वे अनोखी चुनौतियों का सामना करते हैं। यह बातचीत, जो दृढ़ता और संकल्प पर केंद्रित थी, हमारे खिलाड़ियों को अपने खेल को और ऊँचाई पर ले जाने और पैरास्पोर्ट्स की भावना को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते है।

घड़े-खिलौने बनाने वाले हुनरमंदों के लिए खुशखबरी

वाराणसी. मंडल के माटीकला एवं शिल्पकला से जुड़े कारीगरों और शिल्पियों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड एवं परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय वाराणसी ने मंडल स्तरीय माटीकला पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कारीगरों से आवेदन मांगे हैं। इस योजना के अंतर्गत मिट्टी के बर्तन, खिलौने, मूर्तियां और अन्य आकर्षक उत्पाद तैयार करने वाले शिल्पियों को सम्मानित किया जाएगा। योजना में प्रथम पुरस्कार पाने वाले कारीगर को 15 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 12 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि दी जाएगी। कारीगर 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया माटीकला बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। पुरस्कार विजेताओं का चयन मंडल स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी यू.पी. सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक माटीकला को बढ़ावा देना और स्थानीय शिल्पियों के हुनर को नई पहचान दिलाना है। अधिक जानकारी के लिए कारीगर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय वाराणसी से संपर्क कर सकते हैं।

भदोही की बेटी ने रचा इतिहास, 96.6 प्रतिशत अंकों से जिले में किया टॉप

भदोही। सीबीएसई बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही कालीन नगरी भदोही में खुशियों की लहर दौड़ गई। शहर के काजीपुर रोड निवासी कालीन निर्यातक अमित गुप्ता की पुत्री इशिता गुप्ता ने कक्षा-12 की परीक्षा में 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे जिले में टॉप कर लिया। इशिता की इस शानदार सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे जनपद को गौरवान्वित कर दिया है।

परिणाम सामने आते ही घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। परिजनों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की तो मोहल्ले में भी उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। इशिता की सफलता की चर्चा पूरे जिले में होती रही। इशिता शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, समय का सही प्रबंधन और आत्मविश्वास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इशिता ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य डिस्ट्रैक्शन से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस रखा। विद्यालय प्रबंधन ने भी इशिता की उपलब्धि को स्कूल और जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। शिक्षकों ने कहा कि इशिता बेहद अनुशासित, शांत स्वभाव और मेहनती छात्रा हैं। उनका प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

100% अंक प्राप्त करने वाली सुश्री ईशा सोनावाने को अभिनंदन

मुंबई। मुलुंड स्थित 'साओ लक्ष्मीबाई इंग्लिश मीडियम स्कूल' की छात्रा सुश्री ईशा सोनावाने ने इस वर्ष की माध्यमिक विद्यालय परिवीक्षा (कक्षा 10वीं) में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करके सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना करते हुए, पूर्व विधायक और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह सप्रा ने ईशा के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर इनके साथ ही साथ कैलाश पाटील (अध्यक्ष, स्वर्गीय रोहिदास पाटील प्रतिष्ठान), किशोर मुंडाकेल (महासचिव, मुंबई कांग्रेस), राजन भोसले (महासचिव, उत्तर पूर्वी मुम्बई जिला कांग्रेस), उदय वैती एवं अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे। सभी ने ईशा को आशीर्वाद दिए और उनके उज्जवल भविष्य के लिए भी बहुत बधाई दी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष कठोर कारावास

धमकी देकर लंबे समय तक किया शोषण, गर्भ ठहरने पर कराया गर्भपात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ क्षेत्र में ननिहाल में रह रही 13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषी संदीप मौर्य को 20 वर्ष कठोर कारावास और 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त 6 माह कारावास भुगतना होगा। अदालत ने अर्थदंड की राशि पीड़िता को देने का आदेश भी दिया। यह फैसला उमेश कुमार द्वितीय की अदालत ने सुनाया। मामले में पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज बयान, चिकित्सकीय रिपोर्ट और गवाहों के साक्ष्य निर्णायक साबित हुए। अभियोजन के अनुसार, पीड़िता अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी। मामा रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते थे। इसी दौरान आरोपी ने घर में अकेला पाकर किशोरी को धमकाया और भय का माहौल बनाकर लगातार उसका शोषण करता रहा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकी देता था, जिसके डर से वह लंबे समय तक चुप रही। मामले ने तब गंभीर रूप लिया जब पीड़िता गर्भवती हो गई। आरोप है कि आरोपी उसे बहाने से बदलापुर ले गया और गर्भपात करा दिया। बाद में घर लौटने पर पीड़िता ने पूरी घटना अपने मामा को बताई, जिसके बाद मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस जांच, मेडिकल रिपोर्ट और न्यायालय में दर्ज बयानों के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया। बचाव पक्ष ने जमीन विवाद में फंसाने की दलील दी, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोष सिद्ध कर सख्त सजा सुनाई। फैसले के बाद यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना रहा। अदालत ने स्पष्ट किया कि नाबालिग के खिलाफ ऐसे अपराधों में कठोर दंड आवश्यक है, ताकि समाज में भय और कानून का संदेश बना रहे।

मंत्री की गाड़ी के सामने लेट गई मृतक शनि की मां, बोली- एक सप्ताह बाद भी नहीं मिला न्याय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायखाजा थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में सड़क हादसे में मृत युवक शनि राजभर के घर पहुंचे पंचायती राज मंत्री के सामने उस समय भावुक दृश्य उत्पन्न हो गया, जब मृतक की मां न्याय की गुहार लगाते हुए मंत्री की गाड़ी के आगे सड़क पर लेट गईं। गुरुवार को मंत्री ओमप्रकाश राजभर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनका काफिला गांव से निकलने लगा, तभी शनि की मां अचानक मंत्री की कार के सामने आकर सड़क पर लेट गईं और रोते-बिलखते हुए बोलीं कि घटना को एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन अभी तक दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने महिला को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह लगातार न्याय की मांग करती रहीं। उनका कहना था कि कई अधिकारी और नेता आए, सभी ने सिर्फ आश्वासन दिया, मगर परिवार को अब तक इंसाफ नहीं मिला। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। घटना के दौरान गांव में काफी देर तक भावुक माहौल बना रहा।

मेघालय 39वें राष्ट्रीय खेल 2027 से पहले एथलीट इकोसिस्टम को मजबूत कर रहा है

मुंबई। मेघालय 2027 में 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी की तैयारी तेज कर रहा है, राज्य सरकार ने एथलीट, कोच और राज्य खेल संघों के साथ एक प्रमुख बातचीत आयोजित की, जिसमें देश के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजन से पहले विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और मजबूत एथलीट समर्थन इकोसिस्टम बनाने पर जोर दिया गया। इस बातचीत का आयोजन राज्य खेल और युवा कार्य निदेशालय द्वारा शिलॉन्ग में राज्य सम्मेलन केंद्र में किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री वैलाडमिकी शिल्ला, खेल और युवा कार्य मंत्री, मेघालय सरकार ने की। इस बैठक में विभिन्न खेलों के एथलीट और खेल संगठन एकत्र हुए और इसमें एथलीट कल्याण, प्रशिक्षण सहायता, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और राज्य में दीर्घकालिक खेल विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। संग्रह को संबोधित करते हुए, वैलाडमिकी शिल्ला ने कहा, ₹राष्ट्रीय खेल हर किसी के लिए एक बड़ा अवसर है और एक सफल राष्ट्रीय खेलों के लिए हम सभी को एक टीम के रूप में मिलकर काम करना होगा।₹ खेल उत्कृष्टता के साथ खिलाड़ियों की कल्याण की आवश्यकता पर बल देते हुए, माननीय मंत्री ने एक खिलाड़ी के संदेश को याद किया जिन्होंने बेहतर पोषण समर्थन और सुलभ शिकायत निवारण तंत्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। ₹हम जो भी निर्णय लें, जो भी नीतियाँ लाएँ, युवाओं को ध्यान में रखना बहुत महत्वपूर्ण है,₹ उन्होंने कहा। मेघालय में खेलों के लिए बढ़ती निवेश पर प्रकाश डालते हुए, वैलाडमिकी ने जानकारी दी कि सात साल पहले लगभग 40 करोड़ का खेल विभाग का वार्षिक बजट, इस वर्ष 844 करोड़ तक बढ़ गया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार जल्द ही टीम तैयारी कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों के आवास, आहार और पोषण के साथ-साथ प्रतियोगिता अनुभव के लिए 23.37 करोड़ के अगले चरण की राशि घोषित करेगी.